हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 39, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 अगस्त, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

मोदी सरकार ने 9 साल में बहुत काम किया : शाह

बोले- ओडिशा में नवीन बाबू ने भी यह बात प्रमाणित कर दी

भुवनेश्वर। देश का विकास राजमार्ग से जुड़ा है और मोदी सरकार ने पिछले 9 वर्ष में राजमार्ग के विकास के लिए बहुत काम किया है। राजमार्ग के विकास के लिए आधारभूमि के क्षेत्र में तेजी से काम किया गया है। यह बात गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को भुवनेश्वर में कही। ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर आए गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को भुवनेश्वर लोक सेवा भवन में आयोजित कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि कामाख्यान नगर-डुबुरी चार लेन 51 किमी. रास्ता 761 करोड़ रुपये की लागत से बना है। इस खंड में दो बड़े पुल, सात छोटे पुल, सात अंडरपास, दो जानवरों के अंडरपास और 1.73 किलोमीटर लंबे बाईपास हैं। इस खंड से जंगली जानवरों के सुरक्षित मार्ग को ध्यान में रखते हुए, 160 मीटर और एक अन्य 80 मीटर जानवरों के अंडरपास का भी निर्माण किया गया है। यह राजमार्ग कामख्यानगर और डुबुरी को जोड़ने वाला यह राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 53, जिसकी लंबाई 51 किलोमीटर है। कालाहांडी के मोटर से बैनर वाया लड्डुगांव तक 15 किमी. लंबा यह मार्ग 34 करोड़ रुपये से बन रहा है। इससे भी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा। पीएम मोदी ने बिजली उत्पादन, डैम, ब्रिज, पुलिया या नेशनल हाईवे बनाना हो या प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क के जरिए गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ना हो, यह सब 9 वर्ष में किया गया है। शाह ने कहा कि राजमार्गों के निर्माण की गति को काफी तेज किया गया है। ओडिशा के लोगों को बताना चाहता हूं कि 2014-15 में एक दिन में जहां 12 किमी. मार्ग बनते थे, आज 2021-22 में 29 किमी बन रहे हैं। इससे स्वभाविक रूप से आर्थिक गतिविधि बढ़ेगी। ओडिशा में कई परियोजनाएं बनाई गई हैं।

ओडिशा सरकार की जमकर की प्रशंसा- शाह ने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नवीन बाबू ने पूरे देश के सामने उदाहरण पेश किया है। गृहमंत्री ने आपदा प्रबंधन पर बोलते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य मिलकर काम करें तो आपदा को भी परास्त किया जा सकता है, यह बात नवीन बाबू ने प्रमाणित की है। ओडिशा सरकार की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि ओडिशा का आपदा प्रबंधन आज पूरे देश एवं दुनिया में चर्चित है। ओडिशा ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में पूरे देश का मार्गदर्शन किया है। केंद्र सरकार के आपदा प्रबंधन नीति को नवीन बाबू ने धरातल पर उतारा है, खुद भी इस क्षेत्र में बड़ा काम किया है। पूरे देश को नवीन बाबू ने उदाहरण पेश किया है। आपदा में हजारों में लोग मारे जाते थे, मगर आज ओडिशा सरकार जीरो कैजुएल्टी पर काम कर रही है। इसके लिए मैं नवीन पटनायक को धन्यवाद देता हूं। नक्सलियों से मुकाबले का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि ओडिशा में नक्सलियों की गतिविधियों पर पूरी तरह से नियंत्रण है। नक्सलवाद से मुकाबले के लिए नवीन बाबू ने हमेशा हमारा साथ दिया है। शाह ने कहा कि आज ही के दिन 5 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने धारा-370 को समाप्त कर दिया था। इससे कश्मीर आज मुख्य धारा में शामिल हुआ है। वहां शांति है, आज वहां विकास का रास्ता प्रशस्त हुआ है। आज में प्रधानमंत्री को देश एवं जम्मू कश्मीर की जनता की तरफ से बधाई देता हूं।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर बेटियों ने रचा इतिहास, पीएम मोदी ने कहा- देश के लिए गर्व का पल

नई दिल्ली। विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय महिला कंपाउंड की टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को टीम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण उत्कृष्ट परिणाम मिले। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने शुक्रवार को बर्लिन में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के फाइनल में मैक्सिको को हराकर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "भारत के लिए यह गर्व का क्षण है क्योंकि हमारी असाधारण कंपाउंड महिला टीम ने बर्लिन में आयोजित विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। हमारे चैंपियंस को बधाई! उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण यह उत्कृष्ट परिणाम आया है।" भारतीयों ने एकतरफा फाइनल में अपने शीर्ष वरीयता प्राप्त कर विरोधियों के खिलाफ 235-229 से जीत हासिल की। इस तिकड़ी ने चैंपियनशिप में भारत का पदक खाता भी खोला। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाओं पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के एक ट्वीट को टैग करते हुए कहा, "यह बहुत संतुष्टि की बात है कि करोड़ों लोगों को डिजिटल सुविधाओं का पूरा लाभ मिल रहा है।"

ज्ञानवापी परिसर का सर्वे जारी, हिंदू पक्ष का दावा, 'तहखाने से मिले मूर्तियों के अवशेष'

वाराणसी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने ज्ञानवापी के दूसरे दिन का सर्वे शुरू कर दिया है। टीम सुबह करीब आठ बजे ज्ञानवापी पहुंची। सर्वे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दी गई है। पहले दिन के सर्वे में सात घंटे से ज्यादा समय तक परिसर की आकृति तैयार की है। माप-जोख भी की गई।

वाराणसी में ज्ञानवापी सर्वे चल रहा है। सर्वे के दौरान हिंदू मुस्लिम पक्ष से 16 लोगों को मौजूद रहने की इजाजत दी गई है। इन सभी के पास जिलाधिकारी वाराणसी का पत्र पहुंचा था। बता दें कि पहले दिन के सर्वे में मुस्लिम पक्ष मौजूद नहीं था। मां श्रृंगार गौरी मुकदमे की वादिनी चार महिलाओं के अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने बताया कि नंदी के सामने जो व्यास जी का तहखाना है, वहां से मूर्तियों के अवशेष मिले हैं। हिंदू पक्ष की पैरोकार सीता साहू ने कहा है कि 'एक मूर्ति मिली है। माप लिया गया है। घास साफ करके मूर्ति निकाली गई है। एएसआई की टीम अपना काम कर रही है। अब दो बजे के बाद सर्वे होगा।'

एएसआई गहराई से अध्ययन करते हुए बारीकी से सर्वेक्षण कर रही है। मुस्लिम पक्ष पूरी तरह से सहयोग कर रहा है। पश्चिमी दीवार को देख और समझ कर सर्वे के किए एक्सपर्ट्स की टीम लगी हुई है। यह सर्वेक्षण अधिवक्ता आयुक्त की कमीशन की कार्रवाई से बहुत ही अलग है। इसका स्वरूप व्यापक है और यहां सब कुछ वैज्ञानिक पद्धति से हो रहा है। हिंदू पक्ष की वादिनी राखी सिंह के अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी ने बताया कि आज मुस्लिम पक्ष पूरा सहयोग कर रहा है। मस्जिद का ताला खुलने के बाद पूरे परिसर का एएसआई की टीम बारीकी से निरीक्षण कर रही है। फोटोग्राफी और विदियोग्राफी का काम आज ज्ञानवापी के अंदर किया जा रहा है। एक-एक बात रिकॉर्ड में दर्ज की जा रही है। नंदीजी के सामने के तहखाने में गंदगी थी। एएसआई के कहने पर उसकी सफाई कराई जा रही है। एक मशीन के माध्यम से ज्ञानवापी परिसर की थ्री-डी इमेजिंग की जा रही है। ज्ञानवापी के अंदर-बाहर, ऊपर-नीचे हर जगह एएसआई के एक्सपर्ट दोनों पक्षों की मौजूदगी में आ-जा रहे हैं। दोनों पक्षों के सहयोग से सर्वे सही तरीके से आगे बढ़ रहा है। ज्ञानवापी मसले को लेकर कमिश्नरेट के द्वारा खाशा सतर्कता बरती जा रही है। ज्ञानवापी, काशी विश्वनाथ, गोदौलिया चौराहा, बुलानाला, मैदागिन सहित शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस, आरएएफ, पीएसी, एलआईयू समेत अन्य सुरक्षा ऐजेसिंया चौकन्नी थीं। इधर, ज्ञानवापी सर्वे के मूवमेंट पर खुद पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन और डीएम एस. राजलिंगम नजर बनाए हुए हैं। इसके अलावा काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार की सुरक्षा टू पैरा कमांडो के हवाले की गई है। मंदिर परिसर के एक किलो मीटर के दायरे में भी कमांडो गश्त कर रहे हैं। शनिवार को भी ज्ञानवापी आने-जाने वाले मार्ग पर पुलिस बरकेडिंग कर तैनात थी। केवल पैदल यात्रीयों को मंदिर की ओर जाने दिया जा रहा था।

अतीक अहमद गिरोह के गुर्गे इरफान हसन को पुलिस ने दबोचा, 50 लाख की रंगदारी व धमकी का मामला

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद गिरोह के गुर्गे इरफान हसन को प्रयागराज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रंगदारी मांगने के मामले में धूमनगंज पुलिस ने इरफान को दबोचा है। कौशांबी में कोखराज के सैलाबी गांव निवासी इरफान अतीक के रिश्तेदार खालिद जफर का बहनोई है। पुलिस ने रंगदारी मांगने की घटना में कार्रवाई करते हुए घटना में इस्तेमाल की गई क्रेटा कार भी जब्त की है। वहीं इस मामले में खालिद जफर समेत अन्य आरोपित फरार चल रहे हैं। बता दें कि खालिद जफर, उसके भाई माज और इरफान पर 50 लाख की रंगदारी और धमकी देने का केस दर्ज हुआ था। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 24 फरवरी को सरेआम बीच सड़क पर वकील उमेश पाल की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित माफिया अतीक अहमद के बेटे असद अहमद को एनकाउंटर में मार गिराया था। तीन अन्य आरोपियों का एनकाउंटर हो चुका है। लेकिन, इस घटना के दौरान झोले से बम निकाल कर हमला करने वाला गुड्डू मुस्लिम अब तक पुलिस के चंगुल से फरार है। वहीं अतीक अहमद की बेगम शाइस्ता परवीन भी फरार चल रही है। गुड्डू मुस्लिम को लेकर मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक खासा बवाल मचा। बमबाज गुड्डू मुस्लिम की बमबाजी के किस्से कहे-सुने जाने लगे। लेकिन, 24 फरवरी की घटना को अंजाम देने के बाद से फरार चल रहे बमबाज तक यूपी पुलिस की टीम अभीतक नहीं पहुंच पाई है। आखिर गुड्डू मुस्लिम कहां गया? इस सवाल का जवाब न तो प्रयागराज पुलिस के पास है। न ही उमेश पाल केस की जांच करने वाली एसआईटी ही इस संबंध में कोई जवाब दे पा रही है। यूपी एसटीएफ की ओर से मामले की जांच के क्रम में देश के कई इलाकों में छापे मारे गए। गुड्डू मुस्लिम के बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोवा, मुंबई, नागपुर में छिपे होने की बात सामने आई।

एनएसए अजित डोवाल पहुंचे जेद्दा, सऊदी अरब की मेजबानी में यूक्रेन शांति वार्ता में होंगे शामिल

जेद्दा (सऊदी अरब)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोवाल रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध पर चर्चा के लिए शनिवार को सऊदी अरब की मेजबानी में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और अन्य अधिकारियों के एक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जेद्दा पहुंचे हैं। सऊदी अरब में भारतीय राजदूत सुहेल खान और महावाणिज्यदूत मोहम्मद शाहिद आलम ने जेद्दा हवाईअड्डे पर डोवाल का स्वागत किया। रियाद में स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर कहा, एनएसए अजित डोवाल यूक्रेन पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए जेद्दा पहुंचे। जेद्दा हवाईअड्डे पर राजदूत डॉ. सुहेल खान और महावाणिज्य दूत मोहम्मद शाहिद आलम ने उनका स्वागत किया। रूस के साथ चल रहे संघर्ष के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की शांति योजना पर चर्चा के लिए तटीय शहर जेद्दा में बैठक का आयोजन किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी की पुष्टि की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, भारत इस कार्यक्रम में भाग लेगा और हमारी भागीदारी हमारी लंबे समय से चली आ रही स्थिति के अनुरूप है कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। बागची ने विदेश मंत्रालय

की एक प्रेस वार्ता में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, हां, भारत को जेद्दा में यूक्रेन पर सऊदी अरब द्वारा आयोजित बैठक में आमंत्रित किया गया है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के हवाले से कहा, रूस इस बैठक पर नजर रखेगा, लेकिन उसे पूरी तरह से समझने की जरूरत होगी कि क्या लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं।

कालका-शिमला नेशनल हाईवे पर फिर भूस्खलन 30 सेकंड में पहाड़ी से गिरा हजारों टन मलबा

सोलन। हिमाचल प्रदेश में बारिश का कहर अभी भी जारी है। वहीं, बीते कई दिनों से कालका शिमला नेशनल हाईवे भूस्खलन के कारण बंद है। ऐसे में आज फिर से कालका शिमला नेशनल हाईवे पर भूस्खलन हो गया। जानकारी के मुताबिक,कालका शिमला नेशनल हाईवे पर चक्की मोड़ के समीप शनिवार को फिर से भूस्खलन हुआ। जिसकी वजह से फोरलेन के खुलने की संभावना फिलहाल नहीं है। शनिवार को हालांकि दोपहर तक सड़क के दोनों सिरों को मिलाने का प्रयास किया जा रहा है तथा किसी हद तक मार्ग को बाहर कर दिया गया था,लेकिन इसी दौरान अचानक से पहाड़ी फिर से मलबा आना शुरू हो गया। मात्र 30 सैकंड में हजारों टन मलबा पहाड़ी से सड़क पर आ गया। लगातार मलबा आने की वजह से कालका शिमला रेलवे लाइन को भी खतरा पैदा हो गया है । जिस स्थान पर भूस्खलन हो रहा है इससे करीब 500 मीटर की दूरी पर रेलवे लाइन गुजर रही है। बार-बार पहाड़ी से मलबे गिरने के कारण ढंगे का काम भी शुरू नहीं हो पा रहा है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक आनंद दहिया का कहना है कि चक्की मोड़ के समीप फोरलेन का बहाल करने का कार्य जारी है। प्रयास किया जा रहा है कि जल्द से जल्द मार्ग को वाहनों के लिए बहाल कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि 2 अगस्त को कालका शिमला नेशनल हाईवे के चक्की मोड़ के समीप भू-स्खलन हो गया था।

ब्रेड व दूध की सप्लाई भी हुई ठप- कालका-शिमला नेशनल हाईवे बंद होने के बाद बुधवार 2 अगस्त को सोलन-शिमला के लिए ब्रेड व दूध की सप्लाई ठप हो गई थी। बुधवार को भी शहर में अवश्यक खाद्य वस्तुओं की सप्लाई नहीं हो पाई। ऐसे में अब भी दूध ब्रेड की सप्लाई प्रभावित हो सकती है।

कपिल मिश्रा बने दिल्ली बीजेपी के उपाध्यक्ष, बोले- छोटे कार्यकर्ता का इस पद तक पहुंचना भाजपा में ही संभव

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कपिल मिश्रा को शनिवार को दिल्ली भाजपा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह जानकारी दिल्ली भाजपा ट्विटर हैंडल के माध्यम से दी गई। ट्वीट में जानकारी दी गई है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के निर्देश पर कपिल मिश्रा को प्रदेश भाजपा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस पर कपिल मिश्रा ने भी आभार जताते हुए ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अत्यंत आभार। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार इस जिम्मेदारी के योग्य मुझे समझने के लिए। गृह मंत्री अमित शाह का आभार जिनके मार्गदर्शन में दिल्ली बड़े परिवर्तन की ओर है। दिल्ली के यशस्वी अध्यक्ष और मेरे बड़े भाई वीरेंद्र सचदेवा का आभार जिन्होंने मुझे अपनी टीम का सदस्य बनाने योग्य समझा।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, तीन लोगों की हत्या, उपद्रवियों ने कई घरों में लगाई आग

इंफाल। मणिपुर में हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। बीते दिनों पुलिस और सेना की मदद से हिंसा की आग को शांत किया गया था, लेकिन एक बार फिर वहां आगजनी और खूनी खेल शुरू हो गया है। बीती रात बिष्णुपुर जिले में कुछ उपद्रवियों ने मैतेई समुदाय के तीन लोगों की हत्या कर दी। उपद्रवियों ने हिंसा के साथ कई घरों में आग भी लगा दी। पुलिस ने कहा कि मैतेई समुदाय के बफर जोन को पार कर कई लोग घुस आए और उन्होंने वहां गोलीबारी की। बिष्णुपुर के क्वाक्टा क्षेत्र के पार केंद्र सरकार के आदेश के तहत बफर जोन बनाया गया है। बीते दिन भी बिष्णुपुर में हमला हुआ था और उपद्रवियों ने इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के बटालियन मुख्यालय में में तोड़-फोड़ कर हथियार चुरा लिए। असॉल्ट राइफलों के साथ पुलिस के कई हथियार और करीब 19000 गोलियां चोरी की गई हैं। उपद्रवियों को रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने भी कई राउंड फायर किए। हालांकि, उपद्रवियों के हमले में कई सुरक्षा कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने इसके बाद हालात काबू में लाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना के बाद इंफाल के कई इलाकों में कर्फ्यू में दी गई ढील वापस ले ली गई है। एक अधिकारी ने बताया कि हिंसा के चलते इंफाल के दो जिलों क्वाक्ता और चुराचांदपुर में सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कर्फ्यू में दी गई छूट अब घटाकर सुबह 5 से 10.30 बजे तक कर दी गई है।

पुलिस ने अफवाहों से बचने की अपील की- मणिपुर में हिंसा दोबारा शुरू होने के बाद पुलिस ने गुरुवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में राज्य में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी और हिंसा की छिटपुट घटनाएं हुई है और भीड़ ने बिष्णुपुर के कीरेनफाबी और थंगलावई में पुलिस चौकी पर हमला किया और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा लूट लिया। पुलिस ने इसी के साथ जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने और फर्जी वीडियो से सावधान रहने की अपील की है। पुलिस ने लोगों को फर्जी वीडियो की रिपोर्ट करने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया।

तोशाखाना मामले में पाक के पूर्व पीएम दोषी करार 3 साल की सजा; 5 वर्ष तक नहीं लड़ सकेंगे चुनाव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को बड़ा झटका लगा है। पाक ट्रायल कोर्ट ने अवैध रूप से सरकारी उपहार बेचने (तोशाखाना केस) के लिए इमरान खान को 3 साल की जेल की सजा सुनाई है। जिला और सत्र अदालत ने तोशाखाना मामले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान को दोषी ठहराया है।

लाहौर से किए गए गिरफ्तार- इमरान के खिलाफ फैसला आते ही पाकिस्तान पुलिस ने कार्रवाई भी कर दी है। इमरान खान को लाहौर से गिरफ्तार कर लिया गया है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि मामले में दोषसिद्धि से इमरान खान का राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है। नवंबर की शुरूआत से पहले आयोजित आम चुनावों में भी इमरान के भाग लेने की अब संभावना न के बराबर है और वो 5 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इमरान खान पर साल 2018 से 2022 के बीच सरकारी उपहारों को बेचकर पैसा बनाने का आरोप था। ये उपहार इमरान को विदेश यात्रा के दौरान प्राप्त हुए थे। पाकिस्तान के कानून के मुताबिक इन उपहारों को स्टेट डिपॉजिटरी (तोशाखाना) में रखना होता है। हालांकि, अगर कोई भी पीएम इनको अपने पास रखना चाहता है तो उसे नीलामी के तहत एक कीमत चुकानी होती है। आरोप है कि इमरान ने 2.15 करोड़ रुपये में इन उपहारों को तोशाखाना से खरीदकर 5 करोड़ से ज्यादा में बेचा और बड़ा मुनाफा कमाया। इन उपहारों में महंगी गड़ियां, पेन और कीमती अंगूठी भी शामिल थी।

संपादकीय

विदेशी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाकर व्यापार घाटा कम करने की जुगत

सरकार स्वदेशी तकनीक के विकास और व्यापार घाटा पाटने की दिशा में गंभीरता से प्रयास कर रही है। इसी क्रम में उसने विदेशी लैपटाप, टैबलेट और कंप्यूटरों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। माना जा रहा है कि इससे भारत में बनने वाले इन उपकरणों की बिक्री बढ़ जाएगी। इनके आयात पर प्रतिबंध संबंधी इस घोषणा के बाद कुछ स्वदेशी कंपनियों के शेयरों में उछाल भी देखा गया। हालांकि यह सरकार का अचानक लिया या कोई बिल्कुल नया फैसला नहीं है। इससे पहले सैकड़ों ऐसी विदेशी वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, उनमें रक्षा उपकरणों से संबंधित कई चीजें भी शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, लैपटाप, टैबलेट आदि उपकरणों के आयात के लिए लाइसेंस को जरूरी किए जाने के बाद कंपनियों को आवेदन के लिए अधिक वक्त दिया जा सकता है। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि पहले से पारगमन में मौजूद खेप को मंगाने में कंपनियों को किसी तरह की असुविधा न हो। दरअसल, इस भूमंडलीकरण के जमाने में जब सारी दुनिया एक बाजार में तब्दील हो गई है, लोगों को यह आजादी मिली है कि वे अपनी पसंद से अच्छी गुणवत्ता वाली वस्तुएं कहीं से भी खरीद सकते हैं। इस तरह विदेशी वस्तुओं का चुनाव लोगों की आदत में शामिल हो गया है। इसका असर देश में बनने वाली वस्तुओं पर पड़ता है। स्वाभाविक ही, घरेलू बाजार में जगह न मिल पाने के कारण स्वदेशी कंपनियां अपने उत्पाद की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार करने में सक्षम नहीं हो पातीं। ऐसे में लोगों की आदतें सुधारने की दृष्टि से भी ऐसे प्रतिबंध कई बार जरूरी होते हैं। विदेशी कंप्यूटरों, लैपटाप आदि पर प्रतिबंध के पीछे सुरक्षा कारण बताए गए हैं। इनमें एचएसएन कोड 8471 वाले सात श्रेणी के कंप्यूटरों, लैपटाप और टैबलेट पर ही प्रतिबंध लगाया गया है। एचएसएन यानी हामोर्नाइज्ड सिस्टम आफ नामेनक्लेचर कोड एक वर्गीकरण प्रणाली है, जिसका उपयोग कराधान उद्देश्यों के लिए उत्पादों की पहचान करने के लिए किया जाता है। इस कोड का उपयोग उन उपकरणों की पहचान करने के लिए किया जाता है जो डेटा प्रोसेसिंग कार्य करने के लिए तैयार किए गए हैं। इस तरह लोगों के निजी डेटा को सुरक्षित रखने के मकसद से यह कदम उठाया गया है। इन दिनों जिस तरह लोगों के निजी आंकड़ों की चोरी और उन्हें दूसरे देशों की कंपनियों को बेचने की प्रवृत्ति बढ़ी है, उसमें दूसरे देशों में तैयार ऐसी प्रणाली पर नजर रखना कठिन काम साबित होता है। फिर चीन जैसे कुछ देश जासूसी के नए-नए तरीके ईजाद करते देखे जाते हैं, उसमें भी ऐसी प्रणाली खतरनाक साबित हो सकती है। इसलिए नए फैसले में कोरिया और चीन से आयात होने वाले ऐसे उपकरणों की खेप में कटौती की गई है। अब वही कंपनियां इन उपकरणों का कारोबार कर सकती हैं, जो भारत में ही इनका उत्पादन या संकलन करती हैं। हालांकि कुछ लोगों को लगता है कि इस फैसले से विश्व व्यापार नियमों का उल्लंघन होगा और सरकार यह इसलिए कर रही है कि उसका मकसद अपनी चहेती कुछ कंपनियों को फायदा पहुंचाना है। मगर सरकारें अपने सुरक्षा कारणों से ऐसे फैसले ले सकती हैं। फिर लोगों को बाहर से ऐसी मशीनें मंगाने पर प्रतिबंध नहीं होगा, इसके लिए उन्हें आयात शुल्क भुगतान करना पड़ेगा। दरअसल, बाहर की वस्तुओं पर रोक लगाने के पीछे सरकार का एक बड़ा मकसद यह भी है कि इस तरह उसका व्यापार घाटा काफी कम हो जाता है। दरअसल, निर्यात के मामले में भारत अपने लक्ष्य से काफी पीछे चल रहा है और आयात में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, जिससे व्यापार घाटा चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। इस तरह आयात पर प्रतिबंध लगा कर सरकार बेशक व्यापार घाटा कुछ पाट सकती है, मगर बिना निर्यात बढ़ाए अर्थव्यवस्था को गति देना एक चुनौती बनी ही रहेगी।

राजस्थान में यौन हिंसा की बढ़ती घटनाएं कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर सरकार की नाकामी का नतीजा

राजस्थान के भीलवाड़ा में एक बच्ची की हत्या की घटना ने यही साबित किया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और ऐसा लगता है कि अपराधियों के भीतर प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है। खबरों के मुताबिक, कोटड़ी इलाके के नरसिंहपुरा गांव में बकरी चराने खेतों की ओर गई बच्ची जब देर तक घर नहीं लौटी तब उसके परिवार के लोगों ने ढूंढना शुरू किया। खेतों में लकड़ी जला कर कोयला बनाने वाली एक भट्टी में कुछ अवशेष मिलने और उसकी पहचान के बाद यह पता चल सका कि बच्ची की हत्या करके उसे जला दिया गया है। स्थानीय लोगों ने आशंका बलात्कार की भी जताई है। जब मामले ने तूल पकड़ लिया, तब पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में लिया। लेकिन आखिर क्या कारण है कि राजस्थान में पिछले कुछ समय से बलात्कार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं और सरकार के लिए उन पर रोक लगाना मानो मुश्किल हो गया है। सरकार और पुलिस के कामकाज का वह कौन-सा तरीका है कि आपराधिक मानसिकता वाले लोगों के भीतर कोई खौफ नहीं रह गया लगता है। राजस्थान पुलिस की हाल की एक रपट कहती है कि दस साल से कम आयु की बच्चियों से बलात्कार की घटनाओं में करीब तीन फीसद का इजाफा हुआ है। वहीं छोटी बच्चियों से सामूहिक बलात्कार की वारदात में भी इस साल 13.64 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। यानी खुद पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ सालों में मासूम बच्चियों के खिलाफ यौन हिंसा और दरिंदगी की घटनाएं बढ़ी हैं। बलात्कार के ज्यादातर मामलों में मुख्य आरोपी पीड़ित के परिचित ही होते हैं। लेकिन इन घटनाओं पर पुलिस को जहां सक्रिय होकर अपराधियों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करनी चाहिए वहां शासन-प्रशासन के भीतर एक विचित्र चुप्पी छाई दिखती है। क्या यही रवैया एक मुख्य कारण नहीं है जिसकी वजह से आपराधिक तत्त्वों को अपनी मनमानी करने को लेकर बेखौफ बनाता है? फिर देश के दूसरे इलाकों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर आक्रामक रहने वाली पार्टियों को क्या राजस्थान में भी बढ़ते अपराधों और खासतौर पर महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों को लेकर संवेदनशील और ठोस रुख नहीं अपनाना चाहिए? दरअसल, यौन हिंसा की बढ़ती घटनाएं जहां कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर सरकार की नाकामी का नतीजा हैं, वहीं एक सवाल यह भी है कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के मामले बिगड़ती तस्वीर को लेकर कानूनी सख्ती के साथ-साथ क्या इससे जुड़ी अन्य जटिलताओं पर विचार किया जाता है? कुछ लोगों के भीतर ऐसी कुंठा और मानसिक विकृति पलती रहती है, जिसका शिकार होकर वे मासूमों तक की हत्या या उनके खिलाफ यौन हिंसा करने से नहीं हिचकते। पेशेवर अपराधियों से निपटना पुलिस की कामकाज की शैली और ईमानदार इच्छाशक्ति पर निर्भर है। इसके समांतर बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों में भी अगर वैसे लोग भी शामिल पाए जाने लगे हैं, जो आदतन अपराधी नहीं हैं, तो यह किसी भी समाज और सरकार के लिए चिंतित होने वाली बात है। सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी कानून व्यवस्था और उसका प्रभाव कायम करना होना चाहिए, ताकि अपराध की मंशा रखने वालों के भीतर खौफ पैदा हो।

विकास की गहरी तड़पन और समझ रखते थे कल्पनाथ राय

पौराणिक ग्रंथों में वर्णित त्याग, तपस्या और साधना की उर्वर भूमि वनअवध के महकते-चहकते आंगन में एक साधारण किसान परिवार में पैदा हुए विकास पुरुष कल्पनाथ ने अपने राजनीतिक सूझ-बूझ और कर्मठ्ता से अपनी जन्मभूमि एवं कर्मभूमि को सजाने संवारने का श्लाघनीय प्रयास किया। होनहार वीरवानो और फौलादी इरादे से बुलंदियों का आसमान छूने वालों के समक्ष बुरी से बुरी आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियॉ कभी बाधा नहीं बन पाती हैं। जन्मजात जिद्दी , जज्बाती और जूनूनी , बेधड़क और बेलौस बोलने वाले विकास पुरुष कल्पनाथ राय की रग-रग में विकास करने का जूनून और जिद्द समाहित था। चार जनवरी 1941 को सेमरी जमालपुर में पैदा हुए कल्पनाथ राय ने आरंभिक शिक्षा गांव पर हासिल करने के उपरांत उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। इसी विश्वविद्यालय से अंग्रेजी और समाजशास्त्र में परास्नातक और एल एल बी किया। छात्र जीवन से ही राजनीति के माध्यम से अपनी मातृभूमि की सेवा करने की विकास पुरुष की दृढ़ इच्छाशक्ति को आर्थिक और राजनीतिक अडचने रोक नहीं पाई। किशोरावस्था से ही बेहतर समाज और बेहतर देश बनाने का सपना अनगिनत स्वाधीनता संग्राम सेनानियों की मातृभूमि के सच्चे सपूत कल्पनाथ राय के मानसिक अंतरिक्ष में तैरने लगा था। सृजन,रचना, निर्माण विकास , प्रगति , तरक्की और उन्नति जैसी समानार्थक संकल्पनाओं को कल्पनाथ राय ने महज एक मेधावी विद्यार्थी की तरह किताबों में ही नहीं पढा था बल्कि इन संकल्पनाओं को एक सच्चे कर्मयोगी की तरह जमीन पर उतारने अद्भुत और अनूठा प्रयास किया। भारतीय समाज और राजनीति निश्चित रूप से जाति, धर्म, सम्प्रदाय, क्षेत्र और भाषा जैसी संकीर्णताओ के मकडजाल में बुरी तरह उलझी हुई है। इन समस्त संकीर्णताओं से ऊपर उठकर कल्पनाथ राय ने सृजन, रचना , निर्माण और विकास की राजनीति को भारतीय राजनीति में स्थापित करने का उत्कट और प्रयास किया। निर्विवाद रूप से कहा जा सकता है कि- कल्पनाथ राय ने भारत की राष्ट्रीय राजनीति को सृजन , रचना, निर्माण और विकास की दृष्टि से परिभाषित और परिमार्जित करने का सकारात्मक प्रयास किया। गोरखपुर विश्वविद्यालय से छात्र राजनीति के माध्यम से राजनीति का ककहरा सीखने वाले कल्पनाथ राय के सीने में अपनी माटी की शानदार पहचान और दुनिया में सिरमौर बनाने की गहरी तडप आजीवन बनी रही। इसके साथ आचार्य नरेन्द्र देव डॉ राम मनोहर लोहिया की समाजवादी पाठशाला में पले बढे कल्पनाथ राय के अंदर सत्ता की चौखटो से टकराने के लिए आवश्यक निर्भीकता और साहस कूट-कूट कर भरा था। समाजवादी पृष्ठभूमि होने के कारण कल्पनाथ राय अपने राजनीति के आरम्भिक दौर में सडक के संघर्ष की राजनीति की रंगो रवायत में पूरी तरह से रंगे हुए थे । युवा तुर्क चन्द्रशेखर की तरह बगावत का तेवर और सडक के संघर्ष की थाती लेकर कांग्रेस की राजनीति में कल्पनाथ राय ने प्रवेश किया था। खाँटी समाजवादी पृष्ठभूमि वाले इस बगावती तेवर के नेता ने कांग्रेस में प्रवेश करने के बाद सृजन रचना निर्माण और विकास की राजनीति को आत्मसात कर लिया। मन मस्तिष्क में सडक के संघर्ष की स्मृतियों और सीने में सडक के सवाल को लेकर सदन में फिर सदन से सत्ता की दहलीज तक पहुंचे कल्पनाथ राय ने अपनी मातृभूमि के विकास के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। इतिहास साक्षी है कि- अधिकांश राजनेता सत्ता के गलियारों में पहुंचने के बाद सत्ता की चकाचौंध में बेसुध हो जाते है और राजधानी की रंगीनियों में डूब जाते हैं। इसके विपरीत देशज बोल-चाल में खर-खर स्वभाव के कल्पनाथ राय ने अपनी मातृभूमि और अपनी मातृभूमि के लोगों को अपने मानस पटल से कभी ओझल नहीं किया और सत्ता की दहलीज पर पहुंचने के बाद अपने गृह जनपद के कायाकल्प का दृढ निश्चय लिया।

स्वाधीनता उपरांत सर्वाधिक उपेक्षित पूर्वांचल के सर्वाधिक पिछडे जिले मऊ के जन्मदाता कल्पनाथ राय ने मऊ जनपद के हर आंगन-चौखट की खुशहाली और हर खेत खलिहान की हरियाली के लिए जो सॉचा ढाँचा और खॉचा बनाया और उसके लिए आखिरी सांस तक जो भागीरथी प्रयास किया वह अविस्मरणीय और अकल्पनीय है। विकास पुरुष ने अपनी दृढ इच्छाशक्ति और फौलादी इरादों से किसी भी झंडे की सरकार से लड झगड कर जनपद को तरक्की और उन्नति की चमकती-दमकती रोशनाई से सराबोर करने के लिए जिन परियोजनाओं को धरातलीय आकार और आयाम दिया उसके आसरे जनपद की हर आंखों ने अपने सुनहरे भविष्य के स्वप्न संजोए । विकास पुरुष ने अपनी प्रतिभा परिश्रम और पुरुषार्थ से जनपद ही नहीं पूरे पूर्वांचल में सृजन रचना निर्माण और विकास की जो दीपशिखा प्रज्ज्वलित की उससे पूर्वी उत्तर प्रदेश में सृजन रचना निर्माण और विकास की बयार बहने लगी। जिससे हर हृदय को अपनी हर कल्पनाओं को साकार करने का सर्वश्रेष्ठ अवसर मिला। नई पहचान के साथ पूरा जनपद गौरवान्वित और हर्षित हुआ, उम्मीदो को नए पंख लग गए और पूरा जनपद राष्ट्रीय फलक पर सृजन रचना निर्माण और विकास की प्रतियोगिता और प्रतिस्पर्धा में सीना तान कर खडा होने लगा। किसान मजदूर मजलूम बुनकर व्यापारी और नौजवानों की आँखों में बेहतर जिन्दगीं के ख्वाब पलने लगें। वास्तविक विकास के लिए आधारभूत संरचनाओं का जाल बिछाना आवश्यक होता हैं। छात्र जीवन से ही संघर्षशील होने के साथ-साथ उच्चकोटि के शिक्षार्थी होने के कारण कल्पनाथ राय के अंदर यह दूरदर्शिता दूर दृष्टि और समझदारी भलीभाँति विकसित हो चुकी थी। अपनी इसी दूरदर्शिता दूर दृष्टि और समझदारी का परिचय देते हुए कल्पनाथ राय ने सडक परिवहन उर्जा और संचार जैसी आधारभूत संरचनाओं को जनपद में स्थापित करने के लिए ऐडी-चोटी का जोर लगा दिया। देश के दूर-दराज क्षेत्रों से जनपद का बेहतर सम्पर्क स्थापित करने के लिए मेट्रोपोलिटन शहरों के प्रारूप का रेलवे जंक्शन का निर्माण कराया तथा मुम्बई कोलकाता चेन्नई दिल्ली इत्यादि शहरों के लिए जाने वाली प्रमुख रेलगाड़ियों का मऊ जंक्शन से गुजरना सुनिश्चित कराया। यातायात सम्बन्धी असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शहर के चारों तरफ ओवरब्रिज का निर्माण , जगह जगह दर्जनों विद्युत उपकेन्द्रो का निर्माण, किसानों की आमदनी को बढाने के लिए घोसी में सहकारी चीनी मिल की स्थापना ,अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं से परिपूर्ण तथा शोध संस्थान सरीखा सदर अस्पताल का निर्माण, आधुनिक वैज्ञानिक और तकनीकी पर आधारित कृषि क्षेत्र के विकास के लिए कुसमौर में गन्ना और कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना, विदेशी सैलानियों के ठहरने लायक तथागत जैसे होटलों का निर्माण तथा मधुबन के शहीदों की स्मृति में शानदार शहीद पथ सहित दर्जनो शानदार सडको का निर्माण कल्पनाथ राय की विकास गाथा का जीता जागता प्रमाण है।

आज वन अवध के दैपीप्यमान नक्षत्र, सृजन, रचना, निर्माण और विकास की राजनीति के शिखर और श्लाका पुरुष कल्पनाथ राय की पुण्य तिथि के अवसर पर मशहूर गीतकार असद भोपाली का लिखा गीतप्त "दिल का सूना साज तराना ढूंढेगा । मुझको मेरे बाद जमाना ढूंढेगा ।" लगभग पूरा पूर्वांचल गुनगुना रहा है। हर व्यक्ति के हृदय से यह आवाज आती हैं कि-फिर से विकास पुरुष वन अवध की माटी में अवतरित हो जाते। चौबीस-पच्चीस साल में एक बच्चा पैदा हो कर जवान हो जाता और परिवार की सारी जिम्मेदारियां निभाने लगता है परन्तु विकास पुरुष के दिवंगत हुए आज पच्चीस साल गुजर गए परन्तु सम्पूर्ण जनपद आज भी अपने आप को अनाथ महसूस कर रहा है। 6 अगस्त 1999 की वह मनहूस घड़ी हर जनपद वासी के सीने में तीर के घाव की तरह चुभती है। तीन बार राज्य सभा सदस्य , चार बार घोसी लोकसभा से निर्वाचित और कांग्रेस की सरकार में कई बार मंत्री रहे श्रीमती इंदिरा गांधी के दुलरुआ जनपद के सृजनकर्ता कल्पनाथ के शानदार कार्यों को जनपद वासी कभी विस्मृत नहीं होने देंगे । ऋषियों और मनीषियों की तपोभूमि का यह अमर सपूत तथा अनमोल हीरा भारतीय राजनीतिक इतिहास के आसमान में सदियों तक ध्रुव तारा की तरह चमकता रहेगा। इस गहरी तडप के साथ विकास पुरुष की पुण्य तिथि के अवसर पर पूर्वांचल का हर आहत मर्माहत हृदय श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता

लेखक/साहित्यकार/ उप सम्पादक कर्मश्री मासिक पत्रिका।

भाजपा देश में नकारात्मक राजनीति कर रही है : गोपाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर आयोजित हुई। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर दिनांक 9अगस्त से हर सेक्टर एवं जोन में जन चौपाल लगाने पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी, इसके साथ साथ जनसमस्याओं पर गंभीर रूप से चर्चा की गयी। बैठक में कार्यकताओं ने शहर की खराब सड़कों, अनियमित विधुत आपूर्ति, जर्जर तार,जनपद की लचर कानून व्यवस्था, लगातार बढ़ती मंहगाई पर चिंता भी जताई। इस बैठक में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत बनाते हुए जनसवालों पर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा की जनविरोधी नीतियों की चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा देश में नकारात्मक राजनीति कर रही है। नफरत की आग फैलाना और समाज को बांटना ही भाजपा का मानो धर्म हो गया है।भाजपा शांति और विकास की दुश्मन साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में लोकतंत्र कमजोर हुआ है । संवैधानिक संस्थाओं पर हमलें हो रहे हैं । भाजपा देश के लोकतांत्रिक प्रणाली के विरुद्ध साजिश रच रही है । आज देश साम्प्रदायिक , तानाशाह और फिरकापरस्त ताकतों के चंगुल में फंस गया है,देश को उनके चंगुल से निकालने की जिम्मेदारी नौजवानों पर हैं देश का नौजवान मोदी और योगी सरकार की नौजवान विरोधी नीतियों के चलते हताश और उदास है । भाजपा सरकार के पास देश और प्रदेश के

नौजवानों की खुशहाली के लिए कोई योजना नहीं है । उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों को धोखा दिया है । उनकी जिंदगी में अंधेरा फैलाने का काम किया है। युवाओं से नौकरी देने का झूठा वादा कर उन्हें ठगने का काम किया गया। भाजपा सरकार नौकरी देने के बजाय नौकरियां छिनने का काम कर रही है । उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता और लैपटॉप देने का काम किया था लेकिन भाजपा सरकार नौजवानों को कुछ देने के बजाय उनके सामने केवल झूठ परोसने का काम कर रहीं हैं । आज नौजवान मारा मारा फिर रहा है, शिक्षा व्यवस्था पटरी से पूरी तरह उतर गयी हैं।नौजवानों के सपने को सच करने का काम केवल और केवल समाजवादी पार्टी करेगी और किसी भी राजनीतिक दल के पास नौजवानों के लिए कोई कार्यक्रम नहीं है । आज पूरे प्रदेश का नौजवान अखिलेश जी की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहा है। पुर्व विधायक उमाशंकर कुशवाहा ने कहा कि यह भाजपा सरकार किसी की नहीं है। यह सरकार न अगड़े की है न पिछड़े की है, न हिन्दू की है न मुसलमान की है। यह सरकार केवल पूंजीपतियों की है जो राष्ट्र की सम्पत्तियों को कौड़ी के दाम बेचकर उनकी और अपनी तिजोरी भरने में व्यस्त हैं । आज देश की जनता लगातार बढ़ती मंहगाई और भ्रष्टाचार से त्रस्त है , गरीबों के चुल्हे की आंच धीमी पड़ गयी हैं मगर यह सरकार केवल पूंजीपतियों की खिदमत में व्यस्त हैं । इस बैठक में मुख्य रूप से , पुर्व विधायक त्रिवेणी राम,५पुर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, पुर्व जिलाध्यक्ष सुदर्शन यादव, सूरज राम बागी, आत्मा यादव, आमिर अली, रामजन्म चौहान, रविन्द्र प्रताप यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, रामवचन यादव , मुन्नी लाल राजभर, आशीष यादव, राम जी राय, जै हिंद यादव, विवेक मौर्या, गोवर्धन यादव, राजेंद्र यादव, अवधेश यादव उर्फ राजू यादव, कमलेश यादव, अनिल यादव, अमित ठाकुर, विभा पाल, राजेश कुमार यादव, जमुना यादव, सुर्यनाथ यादव, परशुराम बिंद, सदानंद यादव, मारकन्डेय यादव, खेदन यादव, बृजदेव खरवार, पूजा गौतम, रजनी कान्त यादव, अमित सिंह, डॉ समीर सिंह, दिनेश यादव, रीना यादव, रामदास पाल, अदनान खां, शहनवाज खां, केसरी यादव, रमेश यादव, जुम्मन खां, शिवशंकर राम, बलिराम यादव, राम जी सोनकर, मंगला यादव, जयराम यादव, जलालुद्दीन खां, लालबहादुर यादव, राम अवध यादव , रामविजय यादव, रामाशीष यादव, भरत यादव, राजनरायन यादव, अनिता यादव, छन्नू यादव, देवमुनि यादव, लालजी राम, राजेश गोड़ , शेर अली राईनी, अशोक यादव, कृष्णा यादव पंकज यादव आदि उपस्थित थे। इस बैठक का संचालन जिला महामंत्री कन्हैयालाल विश्वकर्मा ने किया।

ब्रेक फेल होने से भंडारी देवी पहाड़ी से धड़धड़ाता नीचे आया टेंपो, बाल बाल बचे सवार दर्शनार्थी

प्रखर अहरौरा,मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत भंडारी देवी पहाड़ी से नीचे उतरने के दौरान ब्रेक फेल होने से टेंपो दुर्घटना ग्रस्त हो गया जिसमें सवार दर्शनार्थी हादसे का शिकार होने से बाल बाल बचे, बताया जा रहा है कि चंदौली जिले के दीन दयाल उपाध्याय थाना क्षेत्र के बहादुर पुर गांव से टेंपो में सवार होकर एक परिवार भंडारी देवी दर्शन पूजन के लिए आया हुआं था, दर्शन पूजन के उपरांत उक्त कुनबा पुनः टेंपो में सवार होकर पहाड़ी से नीचे उतरने का उपक्रम कर रहा था कि अचानक ब्रेक फेल होने से टेंपो धड़धड़ाता नीचे आने लगा, गनीमत यह रहा कि टेंपो पहाड़ी के नीचे स्थित पेड़ से जा टकराया जिससे टेंपो में सवार दर्शनार्थी किसी बड़े हादसे का शिकार होने से बाल बाल बचे, हादसे के शिकार परिवार के मैनेजर गुप्ता पुत्र बेचन साव से जब दुर्घटना के बावत जानकारी लेनी चाही गई तो वह कुछ भी बताने से कतराने लगा, हालांकि उसने इतना बताया कि हल्की फुल्की चोटे आई है कोई गंभीर स्थिति नही है, ब्रेक फेल होने से यह स्थिति उत्पन्न हुई, गौरतलब है कि सावन के महिने मे हर रविवार व मंगलवार को भंडारी देवी पहाड़ी स्थित देवी धाम पर भारी भरकर श्रद्धालुओं का आगमन होता है और पहाड़ी के दोनो रास्ते ठसाठस श्रद्धालुओं से भरा होता है गनीमत यह रहा कि आज शनिवार था जिंससे भीड़ थोड़ी कम थी जिंससे अनहोनी घटना घटित होने से बचा जा सका।

विधायक व एसडीएम ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, अधिकारियों को लगाई फटकार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर शनिवार को कुल 131 मामले आये। जिसमे 3 मामलों का निस्तारण हो पाया। विधायक डॉ अवधेश सिंह व एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा ने इस दौरान फरियादियों की समस्या सुनी और अधिकारियों को फटकार लगाई। तहसील दिवस पर नहरों में पानी न आने और अघोषित विद्युत

113 में से 3 मामले हुए निस्तारित

कटौती की शिकायत मिलने पर विद्युत और सिंचाई (नहर)विभाग के अधिकारियों को डांट लगाई। कहाकि हर हाल में नहरों में पानी दिखे और विद्युत कटौती बन्द हो। इसके अलावा लेखपालों द्वारा ओलावृष्टि से 6 माह पूर्व हुए नुकसान का आंकलन अभी तक पूर्ण न करने और मुआवजा न रिपोर्ट न देने पर फटकार लगाई। इस दौरान भगतुपुर के लालचंद पाल व रामनाथ यादव ने कतिपय लोगों द्वारा 67 डिसमिल बंजर भूमि पर हेराफेरी कर अपना नाम दर्ज करवाने के साथ कब्जा करने की शिकायत की। जिसपर

एसडीएम ने नायब तहसीलदार को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। फूलपुर स्थित पेयजल नलकूप के तीन माह से आपूर्ति बंद होने पर ग्रामीणों ने विधायक से गुहार लगाई। जिसपर जलनिगम के जेई द्वारा एनएचआई द्वारा पाइप लाइन को नाली निर्माण के दौरान तोड़ देने व विद्युत पोल को क्षतिग्रस्त करने की बात कही । जिसपर मौके से एनएचआई के पीडी से बातकर कर ठीक कराने का निर्देश दिए। इस दौरान एक दर्जन ग्रामीण रहे। फूलपुर के उमाशंकर जायसवाल ने लेखपाल व पुलिस रिपोर्ट के बावजूद दबंग द्वारा मकान न बनने की शिकायत की। जिसे सिंधोरा पुलिस को निर्देशित किया। अजईपुर के रमेश मौर्य द्वारा गांव के एक व्यक्ति द्वारा परती भूमि पर कब्जा कर गोबर फेकने से बारिश का पानी घरों में घुसने की शिकायत की। ताड़ी के सन्तोष मोदनवाल ने ग्राम सभा के सफाईकर्मी के द्वारा गांव में न आने व ग्राम सभा के कार्यो में अनियमितता बरतने की शिकायत की। जिसपर नियुक्त जांच अधिकारी द्वारा बिना शिकायतकर्ता की बात सुने रिपोर्ट गलत ढंग से प्रेषित करने का आरोप लगाया। वही तहसील दिवस के दौरान जिला पंचायत से किसी अधिकारी के न होने पर विधायक ने नाराजगी जताई। तहसील दिवस के दौरान एसीपी प्रतीक कुमार, तहसीलदार विकास पांडेय, नायब तहसीलदार राधेश्याम यादव, श्वेता सिंह पटेल, थानाध्यक्ष दीपक कुमार राणावत, बीडीओ पिंडरा व बड़ागांव, बीईओ पिंडरा व हरहुआ, एसडीओ विद्युत समेत कानूनगों व लेखपाल उपस्थित रहे।

5 साल बाद 10 मिनट में मिला न्याय- पिंडरा तहसील दिवस के दौरान चक खरावन निवासी जयप्रकाश ने एसडीएम पिंडरा से गुहार लगाई कि पिता के मरने के बाद वरासत दर्ज कराने के लिए सन 2019 से तहसील का चक्कर लगा रहा हूं। लेकिन आज तक न्याय नही मिला। पीड़ित ने लेखपाल द्वारा परेशान करने का आरोप लगाया। जिसपर एसडीएम ने तीन भाइयों में दो भाइयों के नाम खतौनी में दर्ज होने एक का नाम दर्ज न होने पर लेखपाल को फटकार लगाते हुए मौके पर रिपोर्ट लगवाने के बाद 10 मिनट के अंदर वरासत दर्ज कराते हुए पीड़ित को खतौनी दी। जिसे पाकर पीड़ित ने विधायक व एसडीएम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

वृद्ध की गले से चेन छीन कर भागे बदमाश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र सुरही गांव में बीती रात दुकान के बाहर सो रहे बृद्ध के गले से कतिपय बाइक सवार सोने की चेन नोंच कर भाग निकले। बताते हैं कि भुसौली गांव निवासी 65 वर्षीय बृद्ध की सुरही में कटरा व किराए की दुकान है। उसके पुत्र दुकान बंद कर घर चले गए, बुजुर्ग वही दुकान के बाहर लगे टिन शेड के बाहर सोया था। तभी बाइक से पहुँचे बदमाशों में से एक बृद्ध के पास पहुचा और गले से सोने की चेन नोंच कर भाग निकला। बृद्ध के मुताबिक चेन की कीमत 65 हजार रुपए के लगभग है। पुलिस तहरीर के आधार पर संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई।

जनेश्वर मिश्र की जयंती पर लोस 2024 चुनाव जीतने का सपा ने लिया संकल्प

भाजपा ने जो झूठे सपने दिखाये थे उनकी सच्चाई लोग जान गये: देवी प्रसाद चौधरी

प्रखर मिजार्पुर। समाजवादी पार्टी ने समाजवाद के पुरोधा व चिन्तक छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की 91वीं जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्वांजलि अर्पित कर वक्ताओ ने सन् 2024 लोकसभा चुनाव जीतने के लिए अपनी-अपनी रणनीति बताई। पार्टी कार्यालय लोहियाट्रस्ट सभागार पर आयोजित मासिक बैठक में जिले भर के नेताओं व पदाधिकारियों ने बूथ गठन पर जोर दिया और खाद पानी बीज का मुद्दा भी बैठक में छाया रहा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि जनेश्वर मिश्र के पदचिन्हो पर चलकर समाजवादी पार्टी मजबूत बनाना है। उन्होने कहा कि भाजपा लाख चालाकी कर लेकिन सन् 2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर जाना ही है जनता इनके जनविरोधी नीतियों से तंग आ गई है। भाजपा ने जो झूठे सपने दिखाये थे उनकी सच्चाई लोग जान गये है। जनता के सब्र का बांध टूट रहा है। उन्होने कहा कि जब से पीडीए की चर्चा आयी है भाजपा मे घबड़ाहट बढ़ गई है। समाज का हर वर्ग मंहगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से आक्रोशित है। बूथ स्तर तक समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती से चुनावी तैयारी कर रही है, इस बार सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार तय है। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए पार्टी संगठन को बूथ स्तर से मजबूत करना है। बढ़ती महगांई और बेरोजगारी से जनता त्रस्त है भाजपा ने देश में नफरत का माहोल फैला रखा है। जिससे मणिपुर जैसी घटनायें हो रही है। श्री चौधरी ने बूथ कमेटी प्रभारियों को अति शीघ्र कमेटियां गठित कर कार्यालय में जमा करने के निर्देश दिये। इस बार लोकसभा चुनाव में इंडिया और पीडीए मिलकर केन्द्रं की भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल कर देगी। श्री चौधरी ने कहा कि किसी भी संघटन की शक्ति उसके कार्यकर्ता होते है, उन्होंने सभी से कहा कि अपनी बूथ कमेटी को सक्रिय करने का काम करे जो लोग सक्रिय नही है उनकी जगह सक्रिय और पार्टी के पुराने लोगो को सम्मान के साथ सक्रिय करे। कहा कि अब समय आ गया है कि कार्यकर्ता गली गली गांव गांव जाकर जनता के बीच जाकर मोदी और योगी सरकार की असफलता और झूठ को बेनकाब करने का काम करे, उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को सेक्टरवार जन पंचायत लगाकर सभी कार्यकर्ता एक साथ जुटकर सपा की नीतियों को जन जन तक पहुचाने का काम करें। बैठक में पूर्व सांसद लालचन्द कोल, पूर्व विधायक जगतम्बा, सुरेन्द्र सिंह पटेल, अमिताभ पाण्डेय आदि मौजूद रहें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील जमानियां में डीएम तथा एसपी ने सुनी फरियाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील जमानियॉ में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधिक्षक ओमवीर सिंह की उपस्थिती में सम्पन्न हुआ। जिसमे 118 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए और मौके पर 11 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातो तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 585 शिकायत, प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 50 प्रार्थना पत्रो का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील जखनियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 113 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 12 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 66 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 12 का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 31 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके 02 का निस्तारण किया गया। तहसील कासिमाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 112 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील मुहम्मदाबाद में अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 की अध्यक्षता में 95 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 02 का निस्तारण किया गया एवं तहसील सैदपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 50 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमे 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत/प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करायी जाय। उन्होने सार्वजनिक भूमि, तालाब, भूमि पर अवैध अतिक्रमण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कोई भी व्यक्ति आफिस का चक्कर न काटे तत्काल मौके पर जाकर निस्तारण किया जाय।

संक्षिप्त खबरें

सुहवल पुलिस ने किया झांसा देने व बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी जमानियाँ के कुशल निर्देशन में दिनांक 15 जून 2023 को मुकदमा वादिनी द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर पंजीकृत मु0अ0सं0 धारा 363, 366, 376,भा0द0वि0 व 5/6 पाक्सो एक्ट में नामजद अभियुक्त वृजेश यादव पुत्र वसावन यादव निवासी कटरिया, वलुआ थाना करण्डा जनपद गाजीपुर जो वादिनी के लड़की को शादी का झासा देकर वहला फुसलाकर भगा ले जाना व शारीरिक सम्बन्ध बनाना के सम्बन्ध में अभियोग पंजीकृत कराया गया था । जिसके बाद सुहवल पुलिस टीम द्वारा बार-बार अभियुक्त उपरोक्त के घर पर दबिस दे रही थी । जिसमे शुक्रवार को मुकदमा उपरोक्त के पीड़िता को बरामद कर अभियुक्त वृजेश यादव पुत्र वसावन यादव निवासी कटरिया (वलुआ) थाना करण्डा जनपद गाजीपुर को मलसा तिराहा से समय करीब दोपहर 3 बजे गिरफ्तार किया गया। अन्य विधिक कार्यवाही थाना सुहवल पुलिस द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक वासुदेव मिश्रा थाना सुहवल, कांस्टेबल सौरभ मिश्रा थाना सुहवल, महिला आरक्षी गरिमा निर्मल थाना सुहवल जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

लहुराबीर व्यवसायी समिति (रजिस्टर्ड) के तत्वाधान में श्रम विभाग द्वारा लगाया गया शिविर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लहुराबीर व्यवसायी समिति (रजिस्टर्ड) के तत्वाधान में श्रम विभाग द्वारा 5 अगस्त शनिवार को मलदहिया- लहुराबीर मार्ग पर एक शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सभी व्यापारियों का एमएसएमई तथा प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजना (NPS-TRADERS) तथा श्रम योगी मानधन योजना के तहत भारी संख्या में व्यापारियों ने निःशुल्क पंजीकरण कराया। शिविर का उद्घाटन संरक्षक मंडल अजय तुलस्यान, अनुपम राय, रूप चंद अग्रवाल, विक्रम सिंह बंटी, महानगर उद्योग व्यापार समिति अध्यक्ष प्रेमनाथ मिश्रा महामंत्री अशोक जयसवाल एवं अध्यक्ष रजनीश कनौजिया तथा संचालन महामंत्री दिनेश अग्रवाल तथा शिविर संयोजन रामकुमार अग्रवाल, संजय चौबे, राजेश कुमार साहू, राजेश जायसवाल, अरुण प्रहलाद का, रमेश कालिया, अमित पांडेय, मनीष , चेतन ,प्रदीप ginodiya, जितेंद्र पटेल, दिव्यांश यादव, रजत मिश्रा, अजित पटेल, रत्नाकर , सिन्धु द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर श्रम विभाग द्वारा श्रम प्रवर्तन अधिकारी बृजेश चंद अरविंद ,पंकज कुमार सिंह,शंकर यादव ,श्रम प्रवर्तन अधिकारी वाराणसी उपस्थित रहे।

दबंगों ने घर में घुसकर महिला को मारा पीटा की छेड़खानी तोड़फोड़

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सैदपुर गडौर में दबंगों ने घर में घुसकर युवती से छेड़खानी की और सास बहू को मारा पीटा, सामानों की भी तोड़फोड़ की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। जानकारी के अनुसार मिन्कला गौतम घर के पास कामकाज निपटा रही थी। इसी दौरान 2 लोग पहुंचे और सीधे मिन्कला के घर में घुस गए । मिन्कला की बहू कविता घर में मौजूद थी , आरोप है कि दोनों लोगो ने उससे दुर्व्यवहार किया, बहू के बचाव के लिए मिन्कला दौड़ी । जिस पर दोनों लोगों ने उसे मारपीट कर जख्मी कर दिया। किसी तरह सास बहू ने बचाव किया और पुलिस को दोनों आरोपियों के खिलाफ लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की ।

प्राथमिक विद्यालय कुरेथू के प्रधानाध्यापक निलंबित, शिक्षिका से अश्लील हरकत करने पर हुई कार्रवाई

प्रखर जौनपुर। बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल ने शिक्षिका के साथ अश्लील हरकत करने वाले प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया और स्पष्टीकरण मांगते हुए जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारी करंजाकला को नामित कर दिया। धमार्पुर विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय कुरेथू में शिक्षक नेता एवं प्रधानाध्यापक संजय कुमार राय कार्यरत है कुछ दिन पूर्व विद्यालय की शिक्षिका के साथ अश्लील हरकत करते हुए उनका वीडियो बन गया। वीडियो वायरल होते हैं शिक्षा विभाग में खलबली मच गई और मामले की जांच बीएसए ने करवाई। जिसमें पाया गया कि प्रधानाध्यापक दारा अश्लील हरकत करने वाला वीडियो सही है। जिस पर उन्होंने प्रधानाध्यापक संजय कुमार राय को निलंबित करते हुए स्पष्टीकरण मांगा और मामले की जांच के लिए विकासखंड करंजाकला के खंड शिक्षा अधिकारी को नामित कर दिया।

नाजायज तमंचा व कारतूस के साथ एक अभियुक्त चढ़ा पुलिस रडार पर

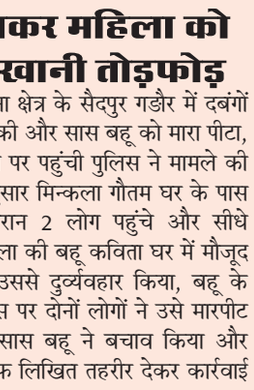

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी भुड़कुडा के निर्देशन में शुक्रवार को चौकी प्रभारी हंसराजपुर उप निरीक्षक सुनील कुमार शुक्ला मय हमराह चेकिंग के दौरान अम्बेडकर मोड़, युसुफपुर की ओर जाने वाली रोड से एक नफर अभियुक्त बृजेश सिंह उर्फ बिक्की पुत्र विन्ध्यांचल सिंह निवासी नसीरपुर थाना जंगीपुर तथा हाल पता हंसराजपुर थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर उम्र 35 वर्ष को गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से एक अदद नाजायज तमन्चा .315 बोर मय एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद करते हुए गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार शुदा अभियुक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सुनील कुमार शुक्ला थाना शादियाबाद, कांस्टेबल ज्ञानेन्द्र सिंह थाना शादियाबाद, कांस्टेबल सुग्रीव थाना शादियाबाद, कांस्टेबल शैलेन्द्र यादव थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

स्पेशल इंट्रोडक्टरी कोर्स के चौथे दिन स्काउट के छात्रों ने विविध कार्यक्रमों का किया आयोजन

प्रखर शाहगंज जौनपुर। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर में स्पेशल इंट्रोडक्टरी कोर्स के चौथे दिन शुक्रवार को स्काउट के छात्रों ने विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बी एड के विभागाध्यक्ष डॉ .पंकज सिंह ने ध्वजारोहण करके किया। विभागाध्यक्ष ने स्काउट के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एक कुशल स्काउट वही होता है जो समय का पाबंद होता है। कोई भी प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, भूकंप ,सूखा ,अकाल या कोई भी राष्ट्र सेवा का कार्य हो, वह समय को महत्व देते हुए अपने कार्य को करता है। उन्होंने कहा कि निश्चित समय पर अपने कार्य को संपादित करके आम जनमानस को कर्तव्यनिष्ठा और कर्तव्य परायणता का संदेश देता है। छात्रों ने शिविर का निर्माण किया और पाक विद्या का प्रदर्शन भी किया। अंत में कैंप फायर किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर रणजीत कुमार पांडेय ने स्काउट के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में स्काउट्स गाइड का महत्वपूर्ण योगदान होता है। राष्ट्र सेवा और ईश्वर के प्रति आस्था की भावना उत्पन्न करना इसका मुख्य उद्देश्य है। संचालन जिले के प्रशिक्षण आयुक्त राम बख्श सिंह ने किया तथा सहयोग नरसिंह प्रसाद श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह, श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के प्रधानाचार्य डॉ.अजेय प्रताप सिंह, डॉ. लालमणि प्रजापति, डॉ आलोक प्रताप सिंह बिसेन, जितेंद्र बहादुर सिंह आदि उपस्थित रहे।

खुल कर बताएं गुप्त रोग सम्बन्धी समस्याएं : डॉ. सरफुद्दीन आजमी

प्रखर शाहगंज जौनपुर। आज के इस आधुनिक और भागदौड़ भरे जीवन मे तनावमुक्त रहना एक बड़ा चैलेंजिंग काम है।तनाव से शरीर के साथ साथ मानसिक सहित अन्य बीमारियां घेर लेती है।जिनमे एक बीमारी बहुत तेजी से बढ़ रही है गुप्त रोग अर्थात सेक्सुअल प्रॉब्लम जिससे युवा वर्ग भी पीड़ित है।हालांकि अधिकतर मामलों में ऐसी समस्याएं दिमागी तौर पर पाई जाती हैं।जिसे मरीज को काउंसलिंग करके दूर किया जा सकता है।बशर्ते मरीज शमार्ने के बजाय अपनी सेक्ससुअल समस्या को खुल कर बताए। उक्त बातें शनिवार को अपने आवास पर एक वार्ता के दैरान गुप्त रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सरफुद्दीन आजमी ने कही। श्री आजमी ने कहा की विशेष तौर पर युवाओं में अपनी सेक्सुअल समस्या में अधिक शमार्ना या प्रॉब्लम को छुपाना पाया जाता है।जैसे कुछ युवाओं और मरीजो में स्तम्भन दोष, स्वप्न दोष, वीर्य का पतला होना आदि कुछ सेक्सुअल परेशानियों की वजह से तनावग्रस्त रहते हैं और सही डाक्टर से परामर्श करने के बजाय नीम हकीमों के चक्कर मे पड़ जाते हैं जिससे उनका स्वास्थ तो खराब होता ही है समय और पैसे की भी बबार्दी होती है।और जब कोई लाभ न मिलता देख सही चिकित्सक के पास पहुंचते हैं तब तक काफी देर हो चुकी होती है जिससे सेक्सुअल प्रॉब्लम को ठीक करने में थोड़ा समय लग जाता है। डाक्टर सरफुद्दीन ने ऐसे बीमारियों से परेशान लोगों आगाह करते हुए कहा की नीम हकीमों के चक्कर मे न पड़कर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श कर सही समय बिना शर्म संकोच के अपनी समस्याएं बताए ताकि उसका उचित उपचार हो सके।

खेग्रामस के राष्ट्रीय आह्वान पर धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर खेत मजदूर ग्रामीण गरीबों के जीवन से जुड़े हुए पांच प्रमुख सवालों को लेकर सैदपुर, करण्डा, जखनियां, सदर, भदौरा, जमानियां खंड विकास अधिकारी कार्यालय पर एक दिवसीय धरना देकर राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया तथा सभा की गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश के ही भांति उत्तर प्रदेश में भी ग्रामीण गरीबों की हालत बहुत ही खराब है एक तो रोजगार नहीं मिल रहा है ऊपर से बढ़ती महंगाई जानलेवा साबित हो रही है। उत्तर प्रदेश की सरकार दशकों से बसे हुए ग्रामीण गरीबों को उखाड़ फेंक रही है तथा बसने के लिए भूमिहीनों पात्र गरीबों को आवास के लिए जमीन देने की जगह बेदखल कर रही है। उत्तर प्रदेश में बिजली सबसे महंगी दी जाती है बावजूद इसके बिल के वसूली के लिए ग्रामीणों को प्रताड़ित किया जा रहा है।आज पूरे देश में पांच मूलभूत मांगे जो ग्रामीण गरीब के गरिमामय जीवन के लिए की जा रही है। मनरेगा में 200 दिन काम व ?600 दैनिक मजदूरी तथा हर हाल में लोगों को जॉब कार्ड दिया जाना और समय पर मजदूरी भुगतान किया जाना जरूरी है। किंतु ब्लॉक मुख्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार की वजह से यह सारी चीजें नहीं हो पा रही है जिस पर रोक लगाया जाना अत्यंत जरूरी है। प्रत्येक गांव के आवासहीन व भूमिहीनों की सूची प्रकाशित किया जाना चाहिए और सभी गरीबों को बसने के लिए 5 डिसमिल जमीन का पट्टा दिया जाना चाहिए। किसी भी कीमत पर गरीबों की आवास को बुलडोज नहीं किया जाना चाहिए बल्कि पट्टा आदि देकर विनियमितीकरण किया जाना चाहिए, बिजली बिल माफ किया जाना चाहिए 200 यूनिट बिजली फ्री दिया जाना चाहिए तथा वृद्धा, विधवा व विकलांग पेंशन धारियों को न्यूनतम 3000 मासिक पेंशन दिया जाना चाहिए। सभा को प्रमुख रूप से नन्दकिशोर बिन्द, राजेश बनवासी, मंजू गोंड, योगेन्द्र भारती, विजय कुमार, गोरख राजभर, विजय बनवासी, लालबहादुर बागी, गुलाब सिंह, आदि लोगों ने सम्बोधित किया सभा की अध्यक्षता व संचालन नन्दकिशोर बिन्द ने किया।

जौनपुर में तीन रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण का होगा शिलान्यास, छह अगस्त को होगा कार्यक्रम

प्रखर जौनपुर। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने बताया कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण व सौंदर्यीकरण किया जाएगा जिसमें रामपुर स्टेशन का पीएम मोदी वर्चुअल शिलान्यास करेंगे। उसी के अंर्तगत जौनपुर में तीन स्टेशनों जौनपुर जंक्शन, शाहगंज जंक्शन और जंघई जंक्शन का भी कायाकल्प होगा। रामपुर के साथ ही देश के 507 रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सौंदर्यीकरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छह अगस्त को इस योजना का वर्चुअल शिलान्यास करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण व सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस योजना के तहत यात्रियों की स्टेशन तक पहुंच, सकुर्लेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, मुफ्त वाईफाई, स्वच्छ जल, स्वच्छता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

एयरपोर्ट की तर्ज पर संवारे जाएंगे लखनऊ मंडल के 19 रेलवे स्टेशन

जौनपुर, शाहगंज और जंघई भी इस सूची में शामिल

प्रखर जौनपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 881 करोड़ खर्च कर उत्तर रेलवे व पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के 19 स्टेशनों का एयरपोर्ट की तर्ज पर कायाकल्प होगा। इनमें जौनपुर जिले के तीन स्टेशन जौनपुर जंक्शन, शाहगंज जंक्शन और जंघई जंक्शन भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल छह अगस्त रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से योजना का शुभारंभ करेंगे। उत्तर रेलवे के डीआरएम डॉ. मनीष थपलियाल और पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम आदित्य कुमार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्टेशनों को संवारने का काम अगले साल मार्च तक हो जाएगा। इनमें उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के उतरठिया,अमेठी, दर्शन नगर, बाराबंकी जंक्शन, भदोही, जौनपुर जंक्शन, शाहगंज जंक्शन, जंघई जंक्शन, प्रतापगढ़ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, फूलपुर, रायबरेली जंक्शन, सुल्तानपुर जंक्शन, उन्नाव जंक्शन और काशी हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के ऐशबाग जंक्शन, बादशाहनगर, बस्ती और सीतापुर रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

32 करोड़ से बादशाहनगर स्टेशन पर ये सुविधाएं बढ़ेंगी- दो फुटओवरब्रिज, तीन लिफ्ट, दो एस्केलेटर, फुटओवरब्रिज पर इन्फॉर्मेशन डिस्प्ले बोर्ड, फसाड लाइटिंग, यात्री विश्राम स्थल व शौचालयों का आधुनिकीकरण

ऐशबाग जंक्शन पर 24 करोड़ से ये सहूलियतें बढ़ेंगी- दो एस्केलेटर, शौचालय व वेटिंग एरिया का अपग्रेडेशन, सोलर प्लांट, वॉटर कूलर, एयर कंडीशनर, कोच गाइडेंस, डिस्प्ले बोर्ड, इंटीग्रेटेड पैसेंजर इनफॉर्मेशन सिस्टम, फसाड लाइटिंग, यात्री विश्राम स्थल व शौचालयों का आधुनिकीकरण

36 करोड़ से उतरेटिया स्टेशन का होगा कायाकल्प- सिटी सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा, वेटिंग एरिया का आधुनिकीकरण होगा, प्रवेश व निकास द्वार के सौंदर्यीकरण के साथ यात्री सुविधाओं का होगा विकास।

विन्ध्याचल महायोजना-2031 को प्राधिकरण बोर्ड की छठी बैठक में विचार विमर्श के उपरान्त मिला अनुमोदन

प्रखर मिजार्पुर। भारत सरकार की अमृत योजनान्तर्गत जी0आई0एस0 प्लेट फार्म पर तैयार की जा रही मीरजापुर विन्ध्याचल महायोजना 2031 को आज प्राधिकरण बोर्ड की मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल डॉ0 मुथु कुमारस्वामी बी0 की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व बोर्ड के सभी सदस्यो की उपस्थिति में छठी बैठक में विचार-विमर्श के उपरान्त अनुमोदन प्रदान किया गया। मीरजापुर विन्ध्याचल को वर्ष 2018 में शासन द्वारा विकास प्राधिकरण घोषित किए जाने के उपरान्त मीरजापुर विन्ध्याचल महायोजना 2031 पर कार्य प्रारम्भ किया गया था। मण्डलायुक्त ने उपस्थित सदस्यो को बताया कि महायोजना 2031 में भारत सरकार/राज्य सरकार की महत्वपूर्ण परियोजनाएं के साथ-साथ नगर के भविष्य में किए जाने वाले विकास के परिपेक्ष्य में महत्वपूर्ण प्रस्ताव दिए गए हैं। पूर्व में बनायी गई महायोजना वर्ष 2011 तक के लिए प्रभावी थी जिसको परिवर्तित करते हुए अब 2031 तक के शहरीकरण विस्तार को ध्यान में रखते हुए शहरीकरण क्षेत्र को विस्तार किए जाने का प्रस्ताव महायोजना में अंकित किया गया है। महायोजना को नेशनल रिमोट सेन्सिंग सेन्टर हैदराबाद से प्राप्त सेटलाइट इमेज के आधार पर तैयार किया गया है जिसके आधार पर तैयार किए गए बेसमैप को ग्राउण्ड टूथिंग के माध्यम से सत्यापित कर ड्राफट महायोजना तैयार की गई ड्राफ्ट महायोजना पर जनसामान्य से प्राप्त लगभग 3500 से अधिक आपत्तियों की जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष, विकास प्राधिकरण की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा विस्तृत सुनवाई की गई तथा जनहित में दिए गए आपत्तियों को स्वीकार करते हुए जनसामान्य की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए महायोजना में आवश्यक संशोधन किए गए है। प्लानिंग/नियोजन विभाग के एशोसिएट प्लानर वाराणसी/ विन्ध्याचल मण्डल डॉ आर0के0 उद्दयन ने बताया कि पूर्व महायोजना में कई स्थलों पर फलपट्टी भू उपयोग अंकित किया गया था, जिसपर वर्तमान में वृहद निर्माण हो चुके हैं जिससे ऐसे क्षेत्रों के भूखण्ड स्वामियों के मानचित्र स्वीकृत होने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या के दृष्टिगत नटवां, चन्द्रदीपा एवं बसही में इंगित समस्त फल पट्टी भू उपयोग को आवासीय भू उपयोग में परिवर्तन को बोर्ड द्वारा अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। पूर्व महायोजना में ग्राम अघौली, धौरूपुर, तरकापुर एवं शिवपुर में सीवर ट्रीटमेन्ट प्लाण्ट के साथ इंगित सीवेज फार्म भू उपयोग की उपयोगिता न होने के कारण उक्त भू उपयोग को आवासीय भू उपयोग में परिवर्तन को बोर्ड द्वारा अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। पूर्व महायोजना में ग्राम कंतित नटवां एवं मझगवां में इंगित केन्द्रीय कियाएं भू उपयोग में अत्यधिक निर्माण एवं भू उपयोग की उपयोगिता न होने के कारण उक्त भू उपयोग को आवासीय भू उपयोग में परिवर्तन को बोर्ड द्वारा अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। नगर के विकसित क्षेत्र में समस्त चैड़ी सड़को पर व्यवसायिक गतिविधियों विद्यमान होने के कारण शहर की ज्यादातर चैड़ी सड़कों को बाजार स्ट्रीट घोषित कर दिया गया है जिससे शहर के व्यापारियों को सुविधा होगी तथा उनके व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के मानचित्र स्वीकृत किए जा सकेंगे। नगर में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के उद्देश्य से नगर के पड़रा हनुमान क्षेत्र में एक वृहद औद्योगिक क्षेत्र का प्रस्ताव महायोजना में किया गया है ।

आद्योगिक क्षेत्र विकसित हो जाने से नगर में रोजगार सम्भावनाएं विकसित होंगी तथा नगर का आर्थिक विकास सम्भव हो पाएगा। गंगा नदी के किनारे पर 200 मीटर तक पर्यावरणीय सन्तुलन के दृष्टिकोण से वृहद् वृक्षारोपण हेतु ग्रीन बेल्ट का प्रस्ताव दिया गया है। जिससे नगर के अन्दर हरियाली में वृद्धि होगी। कालीखोह मंदिर एवं अष्टभुजा मंदिर के आस-पास के धार्मिक गतिविधियों एवं पहाड़ी के चारो तरफ ग्रीन एरिया विकसित करने के उद्देश्य से नो कन्स्ट्रक्शन जोन को महायोजना में सम्मिलित किया गया है। प्राधिकरण बोर्ड द्वारा उपरोक्तानुसार महायोजना 2031 को सर्वसम्मति से स्वीकृत कर दिया गया है, जिसको अधिसूचित किए जाने की अग्रिम कार्यवाही हेतु शासन को प्रेषित किया जाएगा। महायोजना के सर्व सम्मति से पारित होने पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने मण्डलायुक्त सहित सभी सदस्यो को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि इस महायोजना के शासन के स्वीकृति होने पश्चात जनपद/नगर का चतुमुखी विकास सम्भव होगा। नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह, मुख्य कोषाधिकारी अर्चना त्रिपाठी, अधिशासी अ धिकारी नगर पालिका अंगद गुप्ता, बोर्ड की सदस्य मणिशंकर मिश्र, ओमकार नाथ यादव, राजेन्द्र कुमार, मालती त्रिपाठी, आरती, बबिता मौर्या, विजयशंकर व अमित मिश्रा उपस्थित रहें।

भूमध्य रेखा के पास तैरते सौर पैनल भविष्य की आबादी को ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं

कैनबरा (द कन्वरसेशन)। भूमध्य रेखा के पास शांत समुद्रों में तैरते सौर पैनलों की विशाल श्रृंखला दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिम अफ्रीका में घनी आबादी वाले देशों को प्रभावी ढंग से असीमित सौर ऊर्जा प्रदान कर सकती है।

हमारे नए शोध से पता चलता है कि अकेले इंडोनेशिया में अपतटीय सौर ऊर्जा एक वर्ष में लगभग 35,000 टेरावाट-घंटे (टीडब्ल्यूएच) सौर ऊर्जा उत्पन्न कर सकती है, जो वर्तमान वैश्विक बिजली उत्पादन (प्रति वर्ष 30,000 टीडब्ल्यूएच) के समान है।

वैसे दुनिया के अधिकांश महासागर तूफानों का अनुभव करते हैं, लेकिन भूमध्य रेखा पर कुछ क्षेत्र अपेक्षाकृत ठहरे हुए और शांत हैं। इसलिए अपेक्षाकृत सस्ती इंजीनियरिंग संरचनाएं अपतटीय फ्लोटिंग सौर पैनलों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त हो सकती हैं। हमारे उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले वैश्विक ताप मानचित्र दिखाते हैं कि नाइजीरिया के पास इंडोनेशियाईद्वीपसमूह और भूमध्यरेखीय पश्चिम अफ्रीका में अपतटीय तैरते सौर पैनलों के लिए सबसे बड़ी संभावना है।

सदी के मध्य तक सौर ऊर्जा नियम : वर्तमान रुझानों को देखते हुए लगता है वैश्विक अर्थव्यवस्था 2050 तक बड़े पैमाने पर डीकार्बोनाइज्ड और विद्युतीकृत हो जाएगी, जो बड़ी मात्रा में सौर और पवन ऊर्जा द्वारा समर्थित होगी। लगभग 70 वर्ग किलोमीटर के सौर पैनल शून्य-कार्बन अर्थव्यवस्था में दस लाख समृद्ध लोगों की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। पैनलों को छतों पर, शुष्क क्षेत्रों में, कृषि के निकट स्थित, या जल निकायों पर तैराया जा सकता है। लेकिन नाइजीरिया और इंडोनेशिया जैसे उच्च जनसंख्या घनत्व वाले देशों में सौर ऊर्जा संचयन के लिए सीमित स्थान होगा।

तथाकथित 'डोल्ड्रम' अक्षांशों में उनके उष्णकटिबंधीय स्थान का मतलब यह भी है कि पवन संसाधन खराब हैं। सौभाग्य से, ये देश - और उनके पड़ोसी - शांत भूमध्यरेखीय समुद्र पर तैरते सौर पैनलों से प्रभावी ढंग से असीमित ऊर्जा प्राप्त कर सकते हैं। फ्लोटिंग सोलर पैनल अंतर्देशीय झीलों और जलाशयों पर भी लगाए जा सकते हैं। इनलैंड फ्लोटिंग सोलर में बड़ी संभावनाएं हैं और यह तेजी से बढ़ रहा है।

हमारा हाल ही में जारी किया गया पेपर उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए वैश्विक महासागरों का सर्वेक्षण करता है जहां पिछले 40 वर्षों में बड़ी लहरों या तेज़ हवाओं का अनुभव नहीं हुआ है। ऐसे क्षेत्रों में तैरते सौर पैनलों को मजबूत और महंगी इंजीनियरिंग सुरक्षा की आवश्यकता नहीं होती है। जिन क्षेत्रों में 6 मीटर से अधिक बड़ी लहरें नहीं आतीं और न ही 15 मीटर प्रति सेकंड से अधिक तेज़ हवाएँ चलती हैं, वे प्रति वर्ष दस लाख टीडब्ल्यूएच तक उत्पन्न कर सकते हैं। यह 10 अरब समृद्ध लोगों की पूरी तरह से डीकार्बोनाइज्ड वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक वार्षिक ऊर्जा से लगभग पांच गुना अधिक है।

अधिकांश अच्छी साइटें भूमध्य रेखा के करीब, इंडोनेशिया और भूमध्यरेखीय पश्चिम अफ्रीका के आसपास हैं। ये उच्च जनसंख्या वृद्धि और उच्च पर्यावरणीय मूल्यों वाले क्षेत्र हैं। समुद्री तैरते सौर पैनल भूमि उपयोग विवाद को हल करने में मदद कर सकते हैं।

ऑफशोर फ्लोटिंग सोलर का भविष्य : अधिकांश वैश्विक समुद्री परिदृश्य में 10 मीटर से अधिक बड़ी लहरें और 20 मीटर प्रति सेकंड से अधिक तेज़ हवाएँ अनुभव होती हैं। कई कंपनियां इंजीनियरिंग सुरक्षा विकसित करने के लिए काम कर रही हैं ताकि अपतटीय फ्लोटिंग पैनल तूफानों को सहन कर सकें। इसके विपरीत, भूमध्य रेखा के साथ सौम्य समुद्री वातावरण में बहुत कम मजबूत और महंगी सुरक्षा की आवश्यकता होती है।

हमने भूमध्य रेखा के 5-12 डिग्री अक्षांश के भीतर सबसे उपयुक्त क्षेत्र समूह पाया है, मुख्य रूप से इंडोनेशियाई द्वीपसमूह के आसपास और नाइजीरिया के पास गिनी की खाड़ी में। इन क्षेत्रों में पवन उत्पादन की कम क्षमता, उच्च जनसंख्या घनत्व, तीव्र वृद्धि (जनसंख्या और ऊर्जा खपत दोनों में) और पर्याप्त अक्षुण्ण पारिस्थितिकी तंत्र हैं जिन्हें सोलर फार्म्स के लिए साफ़ नहीं किया जाना चाहिए। उष्णकटिबंधीय तूफान भूमध्यरेखीय क्षेत्रों को बहुत कम प्रभावित करते हैं।

ऑफशोर फ्लोटिंग सोलर उद्योग अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। अपतटीय सौर पैनलों में तटवर्ती पैनलों की तुलना में नमक संक्षारण और समुद्री दूषण सहित कुछ कमियां हैं। पैनलों को समुद्र तल से जोड़ने के लिए उथले समुद्रों को प्राथमिकता दी जाती है। और समुद्री पर्यावरण और मछली पकड़ने को होने वाले नुकसान को कम करने पर सावधानीपूर्वक ध्यान दिया जाना चाहिए।

ग्लोबल वार्मिंग हवा और लहर के पैटर्न को भी बदल सकती है। इन चुनौतियों के बावजूद, हमारा मानना है कि अपतटीय फ्लोटिंग पैनल शांत भूमध्यरेखीय समुद्र तक पहुंच वाले देशों के लिए ऊर्जा मिश्रण का एक बड़ा घटक प्रदान करेंगे। सदी के मध्य तक, इन देशों में लगभग एक अरब लोग ज्यादातर सौर ऊर्जा पर निर्भर होंगे, जो इतिहास में सबसे तेज़ ऊर्जा परिवर्तन का कारण बन रहा है।

इंडोनेशिया में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं

इंडोनेशिया एक घनी आबादी वाला देश है, खासकर जावा, बाली और सुमात्रा के द्वीपों पर। सदी के मध्य तक, इंडोनेशिया की जनसंख्या 31 करोड़ 50 लाख से अधिक हो सकती है। सौभाग्य से, इंडोनेशिया में विशाल सौर ऊर्जा क्षमता है और सौर ऊर्जा को रात में संग्रहित करने के लिए विशाल पंपयुक्त जल ऊर्जा भंडारण क्षमता भी है।

सौर ऊर्जा का उपयोग करके अर्थव्यवस्था के पूर्ण डीकार्बोनाइजेशन के बाद समृद्ध इंडोनेशिया को समर्थन देने के लिए लगभग 25,000 वर्ग किमी सौर पैनलों की आवश्यकता होगी। इंडोनेशिया के पास अपने शांत अंतर्देशीय समुद्रों पर बड़ी संख्या में सौर पैनल तैराने का विकल्प है। इस क्षेत्र में लगभग 140,000 वर्ग किमी का समुद्री परिदृश्य है, जिसमें पिछले 40 वर्षों में 4 मीटर से अधिक बड़ी लहरें नहीं देखी गई हैं - और न ही 10 मीटर प्रति सेकंड से अधिक तेज़ हवाएँ चली हैं। यदि इंडोनेशिया की संपूर्ण भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को अपतटीय फ्लोटिंग सौर पैनलों से पूरा किया जाता है, तो इंडोनेशिया का 64 लाख वर्ग किमी का समुद्री क्षेत्र आवश्यकता से 200 गुना बड़ा है।

राम जन्मभूमि के पास के घरों की छतों पर बनेंगे 'कैफेटेरिया'

अयोध्या (भाषा)। अयोध्या को अत्याधुनिक शहर बनाने की दिशा में लिए गए निर्णय के तहत राम जन्मभूमि के आसपास के घरों की छतों पर कैफेटेरिया विकसित किए जाएंगे।

अयोध्या के मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बृहस्पतिवार को बताया, मंदिर स्थल के आसपास के क्षेत्रों को ऐतिहासिक महत्व वाले चिह्नों से सजाया जाएगा और जन्मभूमि पथ एवं भक्ति पथ पर आसपास के घरों की छतों पर कैफेटेरिया विकसित किए जाएंगे। अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) इच्छुक मकान मालिकों को एजेंसियों के साथ एक संविदात्मक व्यवस्था के माध्यम से अपने घरों का सर्वेक्षण कराने और छत पर कैफेटेरिया बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। दयाल ने कहा, एडीए पैनल के माध्यम से आवश्यक अनुमतियां और संबंधित प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाएगा।

अयोध्या आने वाले भक्त राम जन्मभूमि के आसपास के मकानों की छतों पर बनने वाले कैफेटेरिया अथवा खुले आसमान वाले रेस्तरां के जरिये श्री राम मंदिर का मनमोहक नजारा देख सकेंगे। भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण के साथ-साथ अयोध्या को उसकी पौराणिक महिमा के अनुरूप सजाया भी जा रहा है। साथ ही अयोध्या में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। राम मंदिर संभवतः अगले साल जनवरी में श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा।

अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर की फिल्म 'घूमर' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन और अभिनेत्री सैयामी खेर अभिनीत फिल्म घूमर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। आर बाल्की निर्देशित फिल्म 'घूमर' एक अपाहिज खिलाड़ी की विजयी कहानी बताती है, जो अभिषेक बच्चन द्वारा अभिनीत अपने कोच के मार्गदर्शन में एक क्रिकेटर के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती है। फिल्म घूमर में अभिषेक बच्चन कोच की भूमिका में हैं, जबकि लीड रोल में सैयामी खेर है।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक हादसे में अपना हाथ गंवाने वाली लड़की एक दिन देश का नाम रौशन करती है और उसकी मदद करते हैं, फिल्म में कोच बने अभिषेक बच्चन। वहीं सौयामी खेर क्रिकेटर के किरदार में नजर आ रही है। जिनके ईर्द-गिर्द पूरी कहानी दिखाई जा रही है। ट्रेलर की शुरुआत अभिषेक बच्चन के डायलॉग से होती है जो नशे में धुत नजर आते हैं। वहीं सैयामी खेर जो अंगद बेदी से प्यार करती हैं, लेकिन उनके लिए क्रिकेट अपने प्यार से भी ज्यादा जरूरी है।

नेहा की पहल 'फ्रीडम टू फीड' का हिस्सा बनेंगी बिपाशा, सोहा और दीया

मुंबई (आईएएनएस)। स्तनपान विरोधी सोच से लड़ने के लिए एक्ट्रेस नेहा धूपिया, जो एक मां भी हैं, ने प्रेरक पहल 'फ्रीडम टू फीड' शुरू की है। उनकी इस पहल से एक्ट्रेसेस और मां बिपाशा बसु, सोहा अली खान और दीया मिर्जा भी जुड़ेंगी।

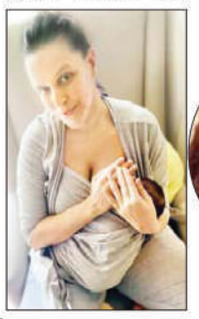

नेहा ने कहा, दो अद्भुत बच्चों गुरीक और मेहर की मां के रूप में मैंने व्यक्तिगत रूप से स्तनपान की चुनौतियों और खुशियों का अनुभव किया है। यह एक अविश्वसनीय रूप से सशक्त यात्रा है, लेकिन यह जानना भी आवश्यक है कि

प्रत्येक मां की यात्रा अद्वितीय है और बिना किसी आलोचना या शर्म के इसे सेलिब्रेट किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, अपनी पहल 'फ्रीडम टू फीड' के माध्यम से मेरा लक्ष्य मातृत्व के इस महत्वपूर्ण पहलू पर प्रकाश डालना और उन बाधाओं को तोड़ना है जो माताओं को इस नैसर्गिक प्रक्रिया को खुले तौर पर अपनाने से रोकती हैं। यह उद्देश्य अविश्वसनीय रूप से मेरे दिल के करीब है, और मैं शिक्षित करने, मिथकों को दूर करने और सभी माताओं के लिए अधिक सहायक और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। स्तनपान जागरूकता सप्ताह (अगस्त का पहला सप्ताह) और स्तनपान जागरूकता माह (अगस्त) के सम्मान में, नेहा माताओं के लिए शिक्षा, सहायता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए 'फ्रीडम टू फीड' के तहत पहल की एक श्रृंखला का नेतृत्व कर रही हैं। स्तनपान को सामान्य बात बनाने के विचार के रूप में शुरू की गई इस पहल से 55,000 से अधिक माताएं, माता-पिता और विशेषज्ञ जुड़ चुके हैं।

कम उम्र के चीतों को भारत लाया जाना चाहिए : विशेषज्ञ

नई दिल्ली (भाषा)। 'प्रोजेक्ट चीता' में शामिल अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में शुरुआती अनुभव के आधार पर सरकार को भारत में बसाने के लिए कम उम्र के ऐसे चीतों को प्राथमिकता देने की सलाह दी है, जो प्रबंधन वाहनों एवं मानव उपस्थिति के आदी हों। उन्होंने सरकार को चीतों को बसाने के लिए मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान के अलावा अन्य स्थान चिह्नित करने की भी सलाह दी। विशेषज्ञों ने सरकार को हाल में सौंपी गई एक स्थिति रिपोर्ट में कहा कि चीतों की ये विशेषताएं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की निगरानी, ??तनाव मुक्त पशु चिकित्सा और प्रबंधन हस्तक्षेप को सरल बनाने और पर्यटन को बढ़ाने में मदद करती हैं।

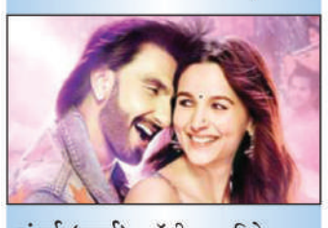

उन्होंने कहा कि कूनो को पर्यटन के लिए खोला जाने वाला है और चीतों के मानव उपस्थिति के आदी होने से उद्यान को पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाने में मदद मिल सकती है। कूनो में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से चीतों के दो समूह लाए गए हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि कम उम्र के वयस्क चीते नए माहौल में अधिक आसानी से ढल जाते हैं और अधिक उम्र के चीतों की तुलना में उनके जीवित रहने की दर भी अधिक होती है। कम उम्र के नर चीते अन्य चीतों को लेकर ''अपेक्षाकृत कम आक्रामक'' व्यवहार दिखाते हैं, जिससे चीतों की आपसी लड़ाई में होने वाली मौत का खतरा कम हो जाता है। विशेषज्ञों ने चीतों को बाहर से लाकर भारत में बसाने पर आने वाले खर्च को ध्यान में रखते हुए रेखांकित किया कि कम उम्र के चीते छोड़े जाने के बाद अधिक समय तक जीवित रहते हैं।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की मौत की दर दुर्भाग्यपूर्ण है और इसके कारण मीडिया में कई नकारात्मक समाचार प्रकाशित एवं प्रसारित हुए हैं, लेकिन यह मृतक संख्या वन्य चीता पुनर्वास के सामान्य मापदंडों के भीतर है।

मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में मार्च के बाद से नौ चीतों की मौत हो चुकी है, जिनमें छह वयस्क एवं तीन शावक शामिल हैं। बहुप्रतीक्षित 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत, कुल 20 चीतों को दो दलों में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से केएनपी में लाया गया था। चार शावकों के जन्म के बाद चीतों की कुल संख्या 24 हो गई थी लेकिन नौ चीतों की मौत के बाद यह संख्या घटकर अब 15 रह गई है। विशेषज्ञों ने दक्षिण अफ्रीका में चीतों को बसाने की कोशिश के दौरान शुरुआत में हुई दिक्कतों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया और कहा कि उसकी 10 में से नौ कोशिश असफल हो गई थीं। उन्होंने कहा कि इन अनुभवों के आधार पर वन्य चीता पुनर्वास एवं प्रबंधन की सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाओं को स्थापित किया गया। रिपोर्ट में 'सुपरमॉम' के महत्व को भी रेखांकित किया गया है। 'सुपरमॉम' दक्षिण अफ्रीका से लाई गई ऐसी मादा चीतों को कहा जाता है, जो अधिक स्वस्थ और प्रजनन क्षमता के लिहाज से बेहतर होती हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत में लाए गए चीतों में से सात मादा हैं और उनमें से केवल एक के 'सुपरमॉम' होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने भारतीय अधिकारियों को चीतों को पुनः बसाने के लिए कूनो के स्थान पर अन्य स्थलों की पहचान करने की सलाह दी।

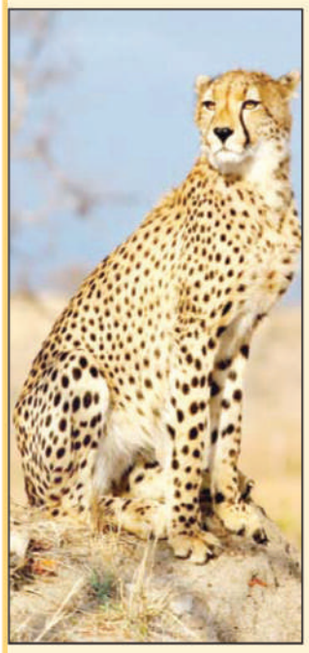

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' ने 70 करोड़ से अधिक की कमाई की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और अभिनेत्री आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने भारतीय बाजार में बॉक्स ऑफिस पर 70 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी करण जौहर निर्मित-निर्देशित 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' 28 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई है। इस फिल्म के साथ करण जौहर ने सात वर्षों के बाद निर्देशन के क्षेत्र में वापसी की है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने अपने पहले वीकेंड के दौरान 46 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर करीब 73 करोड़ की कमाई कर ली है।

एक साल बाद 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगे राकेश रोशन

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड फिल्मकार राकेश रौशन का कहना है कि वह अपनी आने वाली फिल्म कृष 4 की शूटिंग एक साल बाद शुरू करेंगे। राकेश रौशन ने अपने पुत्र ऋतिक रौशन को लेकर वर्ष 2003 में सुपरहिट फिल्म 'कोई मिल गया' बनाई थी। इसके बाद राकेश रौशन ने ऋतिक को ही लेकर वर्ष 2006 'कोई मिल गया' का सीक्वल कृष और वर्ष 2013 में कृष 3 बनाई। 'कृष' फ्रेंचाइजी को खूब पसंद किया गया है। अब फैंस इस फिल्म के चौथे पार्ट यानी 'कृष 4' का बेसब्री से इंतजार कर रहे है।

मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल में मृणाल होंगी सम्मानित

मुंबई (वार्ता)। जानी-मानी अभिनेत्री मृणाल ठाकुर को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) के 14वें संस्करण में डायवर्सिटी इन सिनेमा अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। मृणाल ठाकुर ने बताया, ''मैं मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव में मिलने वाले अवॉर्ड्स से सम्मानित और विनम्र महसूस कर रही हूं। एक कलाकार के रूप में मैंने हमेशा किरदारों को एक्सप्लोर करने की कोशिश की है और यह अवॉर्ड मुझे सीमाओं को आगे बढ़ाने और ऐसी भूमिकाएं निभाने के लिए प्रेरित करता है जो मुझे चुनौती देती हैं और प्रेरित करती हैं। मैं उन अवसरों के लिए आभारी हूं, जो मुझे मिले और मैं सिनेमा की इस अविश्वसनीय यात्रा में भविष्य के लिए उत्साहित हूं।'' इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न समारोह 11 से 20 अगस्त के बीच में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के आर्ट्स सेंटर के हैमर हॉल में होंगे।

वास्तव में हर साल कितने डरावने क्षुद्रग्रह पृथ्वी के पास से गुजरते हैं?

बेंटली (द कन्वरसेशन)। क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं - लगभग पृथ्वी के समान गति से।

क्षुद्रग्रह निश्चित रूप से लोगों की कल्पनाओं में रहते हैं, तभी तो यह कई हॉलीवुड फिल्मों में दिखाई देते हैं, जिनमें यह दिखाया जाता है कि यदि कोई बड़ा ग्रह पृथ्वी से टकराता है तो कितना विनाश हो सकता है। लगभग हर सप्ताह हम ऑनलाइन सुर्खियाँ देखते हैं जिनमें क्षुद्रग्रहों को 'बस', 'ट्रक', 'वेंडिंग मशीन', 'आधे जिराफ़' और कई बार 'पूरे जिराफ़' के आकार का बताया जाता है। हमारे पास क्षुद्रग्रहों के बारे में 'सिटी किलर', 'प्लैनेट किलर' और 'गॉड ऑफ़ कैओस' जैसे विशेषण भी हैं। निःसंदेह, क्षुद्रग्रहों से उत्पन्न खतरे वास्तविक हैं। यह सर्वज्ञात है कि लगभग छह करोड़ 50 लाख वर्ष पहले, पृथ्वी पर संभवतः एक बड़े क्षुद्रग्रह के प्रभाव के कारण जीवन घुटनों पर आ गया था, जिससे अधिकांश डायनासोर मारे गए थे। लेकिन मीडिया वर्णन से परे, संख्याओं के हिसाब से जोखिम क्या हैं? कितने क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराए और हम कितने क्षुद्रग्रहों के हमारे पास से गुज़रने की उम्मीद कर सकते हैं? सीधे प्रहार का खतरा क्या है?

'सिटी किलर' और हाफ जिराफ

■ यह सर्वज्ञात है कि लगभग छह करोड़ 50 लाख वर्ष पहले, पृथ्वी पर संभवतः एक बड़े क्षुद्रग्रह के प्रभाव के कारण जीवन घुटनों पर आ गया था, जिससे अधिकांश डायनासोर मारे गए थे

बड़े क्षुद्रग्रहों की तुलना में कहीं अधिक छोटे क्षुद्रग्रह हैं, और छोटे क्षुद्रग्रह बड़े क्षुद्रग्रहों की तुलना में बहुत कम नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए, पृथ्वी छोटे क्षुद्रग्रहों के साथ लगातार लेकिन कम प्रभाव वाली टक्करों का अनुभव करती है, और बड़े क्षुद्रग्रहों के साथ दुर्लभ लेकिन उच्च प्रभाव वाले टकरावों का अनुभव करती है। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं।

जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बना जाता है - एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है।

कितने क्षुद्रग्रह पृथ्वी के ठीक पास से गुजरते हैं? : एक बहुत ही सरल गणना आपको यह समझ देती है कि आप कितने क्षुद्रग्रहों के हमारे ग्रह के करीब आने की उम्मीद कर सकते हैं। आइए चार-मीटर क्षुद्रग्रहों का मामला लें। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा - 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर। सतह क्षेत्र को फिर से दोगुना करें और आप पृथ्वी की सतह के 6,400 किमी के भीतर प्रति वर्ष दो की उम्मीद कर सकते हैं, इत्यादि। यह करीबी दृष्टिकोण के हालिया रिकॉर्ड से काफी मेल खाता है। मुट्ठी भर मीटर आकार की वस्तुओं के लिए कुछ हजार किलोमीटर बहुत बड़ी दूरी है, लेकिन मीडिया की नजरों में आने वाले अधिकांश क्षुद्रग्रह बहुत अधिक दूरी से गुजर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

क्वालकॉम इंडिया ने सावी सोइन को अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली। स्मार्टफोन प्रोसेसर बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी क्वालकॉम ने शुक्रवार को सावी सोइन को क्वालकॉम इंडिया का अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। पिछले पांच वर्षों से क्वालकॉम इंडिया के अध्यक्ष राजेन वागड़िया अब सैन डिएगो स्थित क्वालकॉम मुख्यालय में स्थानांतरित होंगे और वैश्विक वितरण तथा वैश्विक कैरियर रणनीति के उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि क्वालकॉम इंडिया के अध्यक्ष के रूप में वह भारत में मोबाइल, ऑटोमोटिव, सेमीकंडक्टर, औद्योगिक तथा आईओटी और संचार अवसंरचना क्षेत्रों में क्वालकॉम की रणनीति का नेतृत्व करेंगे।

एमएंडएम को 3683.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 56.04 प्रतिशत बढ़कर 3,683.87 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि उसके बेहतर तिमाही नतीजे में वाहन खंड के मजबूत प्रदर्शन का विशेष योगदान रहा। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,360.70 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था। जून 2023 तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 17.57 प्रतिशत बढ़कर 33,406.44 करोड़ रु रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 28,412.38 करोड़ रुपये थी।

टोयोटा मोटर ने हाइब्रिड वेलफायर उतारी

बेंगलुरु। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने आज सेवन सीटर वाहन वेलफायर लॉन्च किया। यह एक शानदार सेल्फ.चार्जिंग मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक मास्टरपीस है। नवीन प्रौद्योगिकी और सुविधाओं से लैस यह वाहन ईंधन की कम खपत और कार्बन फुटप्रिंट भी सुनिश्चित करता है। वेलफायर एक मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ मासाकाज़ु योशिमुरा ने कहा ऑल.न्यू वेलफ़ायर को प्लैटिनम पर्ल व्हाइट, जेट ब्लैक और प्रेशियस मेटल रंग में पेश किया गया है। सेवन सीटर इस वाहन की एक्सशोरूम कीमत 1.20 करोड़ रुपये है।

जना स्मॉल फाइनेंस बैंक पूंजी बाजार में उतरेगा

मुंबई। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बाजार विनियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इक्विटी शेयरों (10 रुपये अंकित मूल्य) की पेशकश के जरिए धन जुटाने की है जिसमें कुल मिलाकर 5750 मिलियन रुपये तक के नए इश्यू और इन्वेस्टर शेयरिंग शेयरहोल्डर्स द्वारा कुल मिलाकर 40,51,516 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। 31 मार्च 2023 तक बैंक के आउटलेट 754 थे जिसमें 22 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में। 31 मार्च 2023 तक जना स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 2008 से लगभग 12 मिलियन ग्राहकों को सेवा प्रदान की है।

भेल को जून तिमाही में 343.89 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल) का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध घाटा बढकर 343.89 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। मुख्य रूप से खर्च बढने से कंपनी का घाटा बढा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में कंपनी को 187.99 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध नुकसान हुआ था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा किउसका कुल खर्च बढकर 5,595.47 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एडवाइस टोकियो के कारोबार के 12 साल पूरे

नई दिल्ली। जीवन बीमा कंपनी एडलवाइस टोकियो लाइफ ने इस व्यवसाय में अपने 12 साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए है। इन 12 वर्षों में कंपनी ने विकास, नवाचार और ग्राहक केंद्रित एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। 502 करोड़ रुपए के व्यक्तिगत एपीई के बाद वित्त वर्ष 2022-2023 में कंपनी ने सालाना आधार पर 20% की वृद्धि दर्ज की है। स्थापना के बाद से कंपनी ने 44% की सीएजीआर से बढ़ी है। एडलवाइस टोकियो लाइफ इंश्योरेंस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुभ्रजीत मुखोपाध्याय ने यह जानकारी दी। *(एजेंसियां)*

चीन को पछाड़कर भारत दुनिया का कारखाना बनने के करीब : आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली (भाषा)।

■ दुनिया मंदी की चपेट में लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था 7 फीसद की दर से बढ़ रही

■ विनिर्माण लागत सस्ती होने से विश्व की कई कंपनियों ने भारत में संयंत्र लगाये

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने शुक्रवार को कहा कि भारत दुनिया के कारखाने के रूप में चीन की जगह ले सकता है और इसके लिये उसे एक 'छलांग' भर लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश की महत्वाकांक्षाओं पर संदेह और कोविड के बाद आपूर्ति श्रृंखला बाधित होना भी देश के पक्ष में गया है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की सालाना आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने 'पोल वॉल्ट' का उदाहरण दिया। इसमें सफल छलांग लगाने के लिये कई चीजों को साथ लाने की आवश्यकता होती है।

महिंद्रा ने कहा कि यह तुलना 'आज के समय में और भी अधिक उपयुक्त है क्योंकि भारत छलांग (पोल वॉल्ट) लगाने के लिये तैयार है।' उन्होंने कहा, ''हम अच्छी तरह से इसके लिये तैयार हैं। जब कई देश मंदी की ओर बढ़ रहे हैं, तब भारतीय अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है।''

महिंद्रा ने कहा कि भारत में वास्तव में दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले विनिर्माण लागत सबसे सस्ती है। यह आश्चर्य की बात नहीं है, एप्पल, सैमसंग, बोइंग और तोशिबा जैसी बड़ी कंपनियों ने अपनी विनिर्माण गतिविधियों का एक बड़ा हिस्सा भारत में स्थानांतरित कर दिया है।

उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ पश्चिमी देशों की बात नहीं है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि भारत में दूसरा सबसे बड़ा निवेशक सिंगापुर है। हम दुनिया में कारखाने के रूप में चीन की जगह लेने में सक्षम होने के बहुत करीब हैं।''महिंद्रा ने कहा कि आज दुनिया डिजिटल रूप से काम कर रही है, इसीलिए भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे के मामले में अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा, ''भारत में एक जीबी मोबाइल डेटा की कीमत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है। मोबाइल इंटरनेट की कीमत भी यही है। हम दक्षिण कोरिया की तुलना में 73 गुना सस्ते हैं। भारत के पास उड़ान भरने के लिये पर्याप्त ऊर्जा है।'' महिंद्रा ने कहा कि भारत की विदेश नीति बेहतरीन रही है और देश ने यूक्रेन संकट को अच्छी तरह से संभाला है।

एप्पल ने भारत में जून तिमाही में रिकॉर्ड आय दर्ज की

नई दिल्ली (भाषा)।

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने आईफोन की शानदार बिक्री के दम पर भारत में जून तिमाही में रिकॉर्ड आय दर्ज की। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा कि वह दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में कंपनी के प्रदर्शन से खुश हैं।

■ दुनिया के सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में कंपनी का प्रदर्शन बेहतरीन : टिम कुक

कंपनी के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि भारतीय बाजार की क्षमता को देखते हुए अभी भी एप्पल की यहां बहुत कम हिस्सेदारी है। एप्पल की ताजा आय घोषणा में भारत के प्रदर्शन को प्रमुखता से दिखाया गया है। कंपनी ने बताया कि यहां शुरू किए गए स्टोर का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रहा है।

भारत की क्षमता के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कुक ने कहा, ''आप जानते हैं कि हमने भारत में जून तिमाही में रिकॉर्ड आय हासिल की, और हमने मजबूत दो अंकों की वृद्धि दर्ज की। हमने तिमाही के दौरान अपने पहले दो खुदरा स्टोर भी खोले। इस समय वे हमारी उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।' एप्पल ने कहा कि वह चैनल बनाने और सीधे उपभोक्ताओं के लिए ऑफर लाने में अधिक निवेश करना जारी रखेगा। कुक ने कहा, 'यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है और हमें वहां वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए और हम वहां अपनी वृद्धि से बहुत खुश हैं।' कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इस स्मार्टफोन बाजार में अभी भी उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है, इसलिए यहां एप्पल के लिए एक बड़ा अवसर है।

भारत 2047 तक बनेगा विकसित देश

बुनियादी ढांचे को दिया जा रहा आधुनिक रूप : आर के सिंह

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय बिजली मंत्री आर के सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत सड़क, रेल, बिजली समेत अपने बुनियादी ढांचे को तेजी से आधुनिक रूप देने के साथ 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने यहां 'परिवर्तनकारी और भविष्य के लिये तैयार बुनियादी ढांचा' विषय पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'अब हम खुद को एक विकसित देश में बदल रहे हैं। हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी और हम एक विकसित देश बनेंगे।' नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे सिंह ने कहा कि भारत तेजी से बुनियादी ढांचे को आधुनिक रूप दे रहा है। यह इस बात से पता चलता है कि बजट में पूंजीगत व्यय के लिये आवंटन 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो 2014 के मुकाबले पांच गुना है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में एक्सप्रेसवे केवल 353 किलोमीटर था जो वर्तमान में बढ़कर 3,106 किलोमीटर हो गया है। बिजली क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से बिजली उत्पादन क्षमता में 1.90 लाख मेगावाट से अधिक का इजाफा हुआ और वर्तमान में कुल क्षमता 4.21 लाख मेगावाट से अधिक हो गयी है।

मंत्री ने कहा कि आज बिजली की स्थापित क्षमता इसकी अधिकतम मांग के मुकाबले लगभग दोगुनी है और इसका निर्यात पड़ोसी देशों को किया जा रहा है। सिंह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत 2047 तक विकसित देश बनेगा।''

नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में उन्होंने कहा कि हमने हर साल कुल क्षमता में 50,000 मेगावाट का इजाफा करने का लक्ष्य रखा है और 2030 तक देश कुल क्षमता में हरित ऊर्जा स्रोतों से 500 गीगावाट (पांच लाख मेगावाट) बिजली हासिल करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नौ साल (2014-23) के दौरान सौर क्षमता में 64,000 मेगावाट से अधिक की वृद्धि हुई है, जो 31 मार्च, 2014 में स्थापित क्षमता का 23 गुना है। सड़क क्षेत्र का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि वित्त वर्ष 2013-14 में कुल राष्ट्रीय राजमार्ग 91,287 किलोमीटर था, जो मार्च, 2023 में 59 प्रतिशत बढकर 1,45,240 किलोमीटर हो गया है। वित्त वर्ष 2013-14 में प्रतिदिन 11.6 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहे थे, जो 2022-23 में बढकर 28.3 किलोमीटर प्रतिदिन हो गंया है।

रेलवे का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि मध्यम उच्च गति वाली वंदे भारत ट्रेन का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। अबतक 25 वंदे भारत ट्रेन विभिन्न राज्यों में शुरू की गई हैं। 150 ट्रेन सेवाएं चालू वर्ष में शुरू किये जाने का लक्ष्य है और 2030 तक ऐसी 800 से अधिक ट्रेन चलाने की योजना है।

उन्होंने कहा कि 2022-23 में 6,565 'रूट किलोमीटर' का विद्युतीकरण किया गया जो 2013-14 में केवल 610 'रूट किलोमीटर' था। सिंह ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में कश्मीर घाटी तक रेल पहुंच जाएगी। कश्मीर घाटी को शेष भारत से रेल से जोड़ने के लिये 2004 में शुरू की गई 272 किलोमीटर की उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना चालू वित्त वर्ष में पूरी हो जाएगी।

सेंसेक्स 481 अंक उछला

मुंबई (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले तीन दिन से जारी गिरावट पर शुक्रवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 480 अंक से अधिक की तेजी रही। वैश्विक स्तर पर कुल मिलाकर मजबूत रुख के बीच एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा इन्फोसिस में तेजी के साथ बाजार लाभ में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 480.57 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 65,721.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 558.59 अंक तक उछल गया था। नेशनल स्टॉक एक्सजेंच का निफ्टी भी 135.35 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,517 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक में सबसे ज्यादा 3.25 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा टेक महिंद्रा, विप्रो, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आरआईएल, टीसीएस, एलएंडटी तथा इन्फोसिस में प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

दूसरी तरफ, भारतीय स्टेट बैंक, एनटीपीसी, मारुति सुजकी, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स और पावरग्रिड 2.94 प्रतिशत तक नुकसान में रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को मामूली रूप से नुकसान में रहे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 317.46 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.62 प्रतिशत की बढत के साथ 85.67 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एमएसएमई के लिए मीशो का जीरो कमीशन मॉडल

लखनऊ। ई.कॉमर्स कंपनी मीशो के निदेशक सौरभ पांडे ने बताया कि कंपनी के प्लेटफॉर्म पर उत्तर प्रदेश के 130000 से ज्यादा छोटे बिज़नेस रजिस्टर्ड हैं। मीशो द्वारा उद्योग में पहली बार चलाए जा रहे जीरो कमीशन मॉडल जैसे अभियानों की बदौलत पिछले कुछ सालों में यूपी से बड़ी संख्या में एमएसएमई ने मीशो पर रजिस्ट्रेशन कराया है। उन्होंने बताया कि राज्य में मीशो से जुड़ने वाले सप्लायर्स 77 प्रतिशत बढ़े, जिनमें से 73 प्रतिशत ने अपने ई.कॉमर्स व्यवसाय की शुरुआत ही मीशो के साथ की। मीशो के लगभग 50 प्रतिशत विक्रेता टियर 2 शहरों से है। मीशो हाल ही में 1 मिलियन विक्रेताओं की संख्या को पार करने वाली भारत की सबसे तेज ई.कॉमर्स कंपनी भी बन गयी।

रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ 82.82 प्रति डॉलर पर

मुंबई (भाषा)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को आठ पैसे की गिरावट के साथ दो माह के भी अधिक के निचले स्तर 82.82 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल कीमतों में मजबूती आने से रुपये की धारणा कमजोर हुई।

बाजार विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी कोषों की निकासी से भी रुपये पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.73 पर खुला। दिन में कारोबार के दौरान यह 82.72 के उच्चस्तर तक गया तथा 82.85 के निचले स्तर तक आया। अंत में यह अपने पिछले बंद भाव से आठ पैसे गिरकर 82.82 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ।

पिछले कारोबारी सत्र में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.74 पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक, दिलीप परमार ने कहा कि सुरक्षित-निवेश के विकल्प के रूप में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बाद भारतीय रुपया निचले स्तर पर बंद हुआ। बीते सप्ताह में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 27.3 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे हैं। वहीं इस दौरान रुपया लगभग 0.7 प्रतिशत नीचे आया है।

एसबीआई को 16,884 करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ली (भाषा)।

■ बैंक ने जून तिमाही में 95,975 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की

■ बैंक का शुद्ध एनपीए भी जून 2023 में घटकर 0.71 फीसद हुआ

सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ दो गुना से अधिक होकर 16,884 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक ने बताया कि उसके बेहतर प्रदर्शन में खराब ऋणों में कमी और ब्याज आय में सुधार का विशेष योगदान रहा। एसबीआई ने 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में 6,068 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक 2023-24 की पहली तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 1,08,039 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 74,989 करोड़ रुपये थी।

समीक्षाधीन तिमाही में बैंक ने 95,975 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जो एक साल पहले इसी अवधि में 72,676 करोड़ रुपये थी।

जून 2023 के अंत में बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) घटकर 2.76 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 3.91 प्रतिशत था। इसी तरह, शुद्ध एनपीए भी जून 2023 में घटकर 0.71 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले एक प्रतिशत था। समीक्षाधीन अवधि में एसबीआई का समेकित शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 18,537 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 7,325 करोड़ रुपये था।

इस दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 1,32,333 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 94,524 करोड़ रुपये थी।

जून तिमाही में बैंक ने अपने गैर-जीवन बीमा उद्यम एसबीआई जनरल इंश्योरेंस में 489.67 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके अलावा आठ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में 82.16 करोड़ रुपये का निवेश किया गया।

ऑयल इंडिया को महारत्न व ओएनजीसी विदेश को नवरत्न का दर्जा

नई दिल्ली (भाषा)। वित्त मंत्रालय ने ऑयल इंडिया लिमिटेड को 'महारत्न' कंपनी की श्रेणी में शामिल करने को मंजूरी दे दी है। इस कदम से ऑयल इंडिया के बोर्ड को वित्तीय फैसले करने की अधिक शक्तियां मिलेंगी। इस फैसले के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी भारत की 13वीं महारत्न सीपीएसई (केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम) बन गई है।

लोक उपक्रम विभाग ने ट्विटर पर लिखा, 'वित्त मंत्री ने ऑयल इंडिया लि. को महारत्न सीपीएसई का दर्जा देने को मंजूरी दी है। ओआईएल सीपीएसई में 13वीं महारत्न कंपनी होगी।' ओआईएल ने वित्त वर्ष 2022-23 में 41,039 करोड़ रु. का राजस्व और 9,854 करोड़ रु. का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। सार्वजनिक उद्यम विभाग ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''वित्त मंत्री ने ओएनजीसी विदेश लि. को नवरत्न सीपीएसई का दर्जा देने को मंजूरी दी है। ओवीएल सीपीएसई के बीच 14वीं नवरत्न कंपनी है।'' ओवीएल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 11,676 करोड़ रु. का वार्षिक राजस्व और 1,700 करोड़ रु. का शुद्ध लाभ हासिल किया था।

लैपटॉप आयात के लाइसेंस के लिए समय सीमा बढ़ा सकती है सरकार

नई दिल्ली (भाषा)।

लैपटॉप एवं टैबलेट के आयात का लाइसेंस हासिल करने के लिए कंपनियों को आवेदन के लिए सरकार निर्धारित समय से अधिक वक्त दे सकती है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि लाइसेंस के लिए आवेदन करने की समयसीमा को एक महीना तक बढाया जा सकता है। इस बारे में विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) जल्द ही नोटिस जारी कर स्थिति स्पष्ट करेगा।

सूत्रों के मुताबिक, लैपटॉप, टैबलेट एवं ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) जैसे उपकरणों के आयात के लिए लाइसेंस को जरूरी किए जाने के बाद कंपनियों को आवेदन के लिए अधिक वक्त दिया जा सकता है।

इसके अलावा सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि पहले से पारगमन में मौजूद खेप को मंगाने में कंपनियों को किसी तरह की असुविधा न हो।

सरकार ने एक दिन पहले ही इन उपकरणों के आयात के लिए लाइसेंस को जरूरी कर दिया था। यह कदम उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिहाज से इन उपकरणों के हार्डवेयर में मौजूद खामियों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

आईटी मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि लाइसेंस के आधार पर आयात की मंजूरी देने से केंद्र सरकार इसपर नजर रख पाएगी कि भारत में किस देश में निर्मित लैपटॉप एवं टैबलेट आ रहे हैं। इससे सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान करने में मदद मिलेगी।

आयातकों को लाइसेंस देने के लिए मानदंड बने : जीटीआरआई

नई दिल्ली (भाषा)। भारत सरकार के लैपटॉप और कंप्यूटर के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बाद कारोबार थिंक टैंक जीटीआरआई ने शुक्रवार को कहा कि आयातकों को लाइसेंस देने के लिए सरकार को वस्तुनिष्ठ मानदंडों की घोषणा करनी चाहिए। जीटीआरआई ने कहा कि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए ऐसा करना जरूरी है।

सरकार ने तीन अगस्त को कहा था कि इन सामानों के आयात के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से लाइसेंस/अनुमति लेनी होगी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''निजी कम्प्यूटर, लैपटॉप और टैबलेट हमें शिक्षा, व्यवसाय, मनोरंजन और बाकी सूचनाओं से जोड़ते हैं। सरकार को आपूर्ति में कमी और बाजार व्यवधान से बचने के लिए सभी कदम उठाने चाहिए।' उन्होंने कहा, ''इसका एक तरीका वस्तुनिष्ठ मानदंड की घोषणा करना है, जो लाइसेंस देने का आधार बनेगा।'

भारत, पेरू मुक्त व्यापार करार को लेकर बातचीत फिर शुरू करेंगे

नई दिल्ली (भाषा)।

पेरू और भारत के बीच एफटीए पर बातचीत का सिलसिला कोविड महामारी के दौरान थम गया था

भारत और दक्षिण अमेरिकी देश पेरू ने द्विपक्षीय कारोबार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत का दौर दोबारा शुरू करने का फैसला किया है।

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'हमने एफटीए पर बातचीत को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। हम प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर काम करेंगे। सितंबर के बाद हम संवाद शुरू करेंगे।' एफटीए के तहत दो देश सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय निवेश बढ़ाने के लिए मानदंडों और नियमों में ढील देने के अलावा उनके बीच व्यापार की अधिकांश वस्तुओं पर शुल्क को बहुत कम या खत्म ही कर देते हैं।

पेरू और भारत के बीच एफटीए पर बातचीत का सिलसिला कोविड-19 महामारी से जुड़े गतिरोधों के बाद थम गया था। उस समय दोनों देशों के बीच कुछ दौर की बातचीत हो चुकी थी।

इसके साथ ही बर्थवाल ने कहा कि दक्षिण अमेरिका का एक अन्य देश चिली भी भारत के साथ इसी तरह का समझौता करने की इच्छा जता रहा है।

उन्होंने कहा, 'अगर ये देश भारत के साथ एफटीए के लिए उत्सुक हैं तो हम भी इसकी संभावनाओं पर गौर करेंगे।' पेरू दक्षिण अमेरिका एवं कैरेबियाई देशों में से भारत के लिए तीसरा बड़ा निर्यात गंतव्य है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत और पेरू का द्विपक्षीय व्यापार 3.11 अरब डॉलर रहा था।

केएसबी लिमिटेड की बिक्री 24.8 फीसद बढ़ी

नई दिल्ली (वि)। भारत में अग्रणी पंप और वाल्व निर्माताओं में से एक, केएसबी लिमिटेड ने 2022 (जनवरी से जून 2022) की तुलना में (जनवरी से जून 2023) की अपनी हॉफ ईयरली सेल में 10,809 रुपए की सेल वैल्यू के साथ 24.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। 2022 की पहली छमाही की तुलना में बिक्री में 24.8 फीसदी की वृद्धि हुई। दूसरे क्वार्टर में ऑर्डर इनटेक 6165 मिलियन रुपए के साथ 2022 की दूसरे क्वार्टर की तुलना में 26 फीसदी बढ़ा है। निर्यात कारोबार में तेजी देखी जा रही है। यह जानकारी केएसबी लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग के वाइस प्रेसिडेंट फारुख भथेना ने दी। निर्यात व्यवसाय में लगातार बढ़ोतरी के रुझान देखने को मिल रहे है, जो वैश्विक बाजार में हमारी स्थिति को मजबूत करेगा।

टाटा मोटर्स ने माइक्रो एसयूवी पंच का सीएनजी संस्करण उतारा

नई दिल्ली (भाषा)।

टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को अपनी माइक्रो एसयूवी पंच का सीएनजी संस्करण पेश किया। इसकी दिल्ली शोरूम में कीमत 7.1 लाख रुपये से 9.68 लाख रुपये है। टाटा मोटर्स ने बयान में कहा पंच आईसीएनजी में कंपनी की ट्विन-सिलेंडर तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें ईंधन भरने के समय कार को बंद करने के लिए माइक्रो-स्विच की सुविधा है। इसके अलावा इस मॉडल में आवाज से संचालित होने वाले इलेक्ट्रिक सनरूफ, ऑटोमैटिक प्रोजेक्टर हेडलैंप, एलईडी डीआरएल और सात इंच की इन्फोटेनमेंट प्रणाली की खूबियां भी हैं। कंपनी ने बताया कि उसने अपने टियागो और टिगोर मॉडल में भी ट्विन-सिलेंडर तकनीक का इस्तेमाल किया है। टियागो आईसीएनजी की कीमत 6.55 लाख रुपये से 8.1 लाख रुपये के बीच है जबकि टिगोर आईसीएनजी की कीमत 7.8 लाख रुपये से 8.95 लाख रुपये के बीच है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के विपणन प्रमुख विनय पंत ने कहा कि इस पेशकश के साथ कंपनी का सीएनजी पोर्टफोलियो अधिक आकर्षक और मजबूत हो गया है।

ग्रुप चरण से ही वर्ल्ड नंबर-2 जर्मनी, ओलंपिक चैंपियन कनाडा जैसी दिग्गज टीमें बाहर

एजेंसी ▶▶| सिडनी

महिला फुटबॉल का महासमर इस बार कई मायने में अनूठा है और इसने खेल के वैश्विक मानचित्र में बदलाव का सूत्रपात कर दिया जब जर्मनी, ब्राजील और कनाडा जैसे दिग्गज विश्व कप से बाहर हो गए। आश्चर्यों से भरे विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर तब देखा गया जब दुनिया की दूसरे नंबर की टीम और दो बार की विश्व कप विजेता टीम जर्मनी अपने इतिहास में पहली बार ग्रुप चरण में बाहर हो गई।

इसके अलावा कोपा अमेरिका चैंपियन ब्राजील और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कनाडा ने टूर्नामेंट के पहले चरण में बाहर होकर फुटबॉल के प्रशंसकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। टूर्नामेंट में मोरक्को, दक्षिण अफ्रीका और जमैका ने अलग इतिहास रचते हुए नॉकआउट चरण में जगह बनाई है।

महिला विश्व कप : मोरक्को, द.अफ्रीका और जमैका ने इतिहास रच नॉकआउट में पहुंचे

कमजोर टीमें बढ़ीं आगे

एजेंसी ने कुछ कारकों पर नजर डाली जिससे सामने आया कि कैसे पारंपरिक दिग्गज टीमों और तेजी से खत्म हो रही कमजोर टीमों के बीच अंतर कम हो रहा है। जमैका ने उद्घाटन मुकाबले में फ्रांस को एक भी गोल नहीं करने दिया और मैच 0-0 पर ड्रा हो गया। यही तरकीब उसने जर्मनी के खिलाफ भी लगाई। जमैका के कोच लॉर्न डोनाल्डसन ने कहा, 'मुझे लगता है कि छोटे देश भी आगे बढ़ रहे हैं और कह रहे हैं कि हम भी यह कर सकते हैं।'

एलिस आश्चर्यचकित

अमेरिका को वर्ष 2015 और 2019 में विश्व कप विजेता बनने के दौरान कोचिंग देने वाली जिल एलिस ने कहा, 'अगर मैं साफ तौर पर कहूं तो मैं सच में आश्चर्यचकित हूं। मुझे लगता है कि जब आप अचानक जर्मनी और ब्राजील जैसी टीमों को विश्व कप से ग्रुप चरण के दौरान बाहर होते हुए देखते हो, तो मुझे नहीं लगता हम में से किसी ने ऐसा अनुमान लगाया होगा।'

अमेरिका, फ्रांस का बुरा हाल

दुनिया की नंबर एक टीम अमेरिका कभी भी तीसरे स्थान से नीचे नहीं रही। पूर्व चैंपियन रही अमेरिकी टीम नॉकआउट चरण में तो पहुंच गई है लेकिन बहुत कमजोर दिख रही है। पांचवें स्थान पर काबिज फ्रांस का भी यही हाल है।

ग्रुप चरण रहा रोमांचक

महिला फुटबॉल में बढ़ती समानता ने विश्व कप के ग्रुप चरण को रोमांचक बना दिया है, जिसमें गुरुवार का दिन उलटफेर से भरा रहा। मोरक्को ने कोलंबिया को 1-0 से हराया जबकि दक्षिण कोरिया ने जर्मनी के साथ मुकाबले को 1-1 पर ड्रा कर दिया। जर्मनी का इस मुकाबले के साथ विश्व कप का सफर समाप्त हो गया।

महिला फुटबॉल में हुआ विकास

फिटनेस की भूमिका को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। मैदान पर छोटी टीमें अलग ही ऊर्जा के साथ प्रदर्शन कर रही हैं। महिला फुटबॉल में लगातार विकास भी देखा जा रहा है। फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा है कि उसने महिलाओं के खेल में एक अरब डॉलर का निवेश किया है और 211 सदस्य संघों में लगभग 168 विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

नए प्रारूप से बढ़े रोमांच

महिला विश्व कप के नए प्रारूप को भी कुछ हद तक खेल में समानता का कारण माना जा सकता है। वर्ष 2019 में टूर्नामेंट को 24 टीमों से बढ़ाकर 32 करने के फैसले पर संदेह था कि इससे अधिक एकतरफा खेल होंगे और मैचों के रोमांच में कमी आएगी। इस बार महिला विश्व कप ने इस संदेह को भी दूर कर दिया।

खबर संक्षेप

हमारी ताकत है पेनल्टी कॉर्नर : हार्दिक

चेन्नई। भारत के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा है कि पेनल्टी कॉर्नर मेजबान टीम की ताकत है और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में वे इसका पूरा इस्तेमाल करेंगे। भारत ने पहले मैच में चीन को 7-2 से हराया और छह गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए हुए। हार्दिक ने मैच के बाद कहा, 'पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत हैं। हम उसका पूरा इस्तेमाल करेंगे। हमें खुशी है कि पेनल्टी पर गोल हो रहे हैं। हमारा लक्ष्य पेनल्टी कॉर्नर की दर बेहतर रखना और कम से कम दो या तीन गोल उसके जरिए करना है। इसके अलावा हर क्वार्टर में मौके बनाने हैं।'

भारत, वेस्टइंडीज पर लगा जुर्माना

दुबई। भारत और वेस्टइंडीज की टीमों पर त्रिनिदाद के तारोबा में पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया। गुरुवार को खेले गए मुकाबले के दौरान भारत पर न्यूनतम ओवर गति से एक ओवर कम होने के कारण मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, वहीं वेस्टइंडीज पर न्यूनतम ओवर गति से दो ओवर कम रहने के कारण मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

'बाजबॉल' तरीके को परखना चाहते है जैक

लंदन। इंग्लैंड के आक्रामक सलाम बल्लेबाज जैक क्राउली का मानना है कि अगले साल की शुरुआत में भारत दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 'बाजबॉल' (टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी) तरीके को परखने का शानदार मौका होगा लेकिन इसके लिए वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाना जरूरी होगा। भारत अगले साल पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की मेजबानी करेगा। इस बारे में पहले से ही चर्चा चल रही है कि क्या इंग्लैंड भारतीय पिचों पर क्रिकेट के अपने आक्रामक तरीके को जारी रखने में कामयाब होगा।

गोगोई की हैट्रिक से जीता यूनाइटेड

गुवाहाटी। युवा खिलाड़ी पार्थिब गोगोई की हैट्रिक गोल की मदद से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने शुक्रवार को यहां शिलांग लाजोंग पर 4-0 की शानदार जीत के साथ 132वें डूरंड कप फुटबॉल में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। असम के खिलाड़ी गोगोई की सीनियर स्तर पर यह पहली हैट्रिक है। इस जीत के बाद टीम ग्रुप डी की तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। गोगोई ने मैच के 26वें, 65वें और 70वें मिनट में गोल किया। टीम के लिए एक अन्य गोल रोमन फिलिपोटॉक्स ने 35वें मिनट में पेनल्टी पर किया।

आस्ट्रेलिया ओपन : फाइनल में पहुंचेगा कोई एक भारतीय

सिंधू, श्रीकांत बाहर, प्रणय के सामने सेमीफाइनल में राजावत की चुनौती

एजेंसी ▶▶| सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू आस्ट्रेलिया ओपन बैडमिंटन महिला एकल क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की बेवेन झांग से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गई। एच एस प्रणय और युवा प्रियांशु राजावत ने जीत के साथ अंतिम चार में जगह पक्की की। पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रणय और राजावत एक दूसरे के आमने सामने होंगे, जिससे टूर्नामेंट के फाइनल में किसी भारतीय की उपस्थिति सुनिश्चित हो गई।

ऑरलियन्स मास्टर्स चैंपियन राजावत ने हमवतन किदांबी श्रीकांत को एकतरफा क्वार्टर फाइनल में 21-13, 21-8 से हराकर पहली बार सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल जगह बनाई। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय दुनिया को हालांकि दूसरे नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका जिंटिंग के खिलाफ एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा। उन्होंने 73 मिनट तक चले मुकाबले के शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 16-21, 21-17, 21-14 से कड़ी जीत

राजावत उभरते स्टार खिलाड़ी

प्रणय दुनिया के 31वें नंबर के राजावत के खिलाफ 1-0 की बढ़त के साथ सेमीफाइनल में उतरेंगे, जिन्होंने उन्हें 2022 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में हराया था। मध्य प्रदेश के 21 वर्षीय राजावत आठ साल की उम्र में पुलेला गोपीचंद की ग्वालियर अकादमी में शामिल हुए थे। उन्होंने पिछले एक साल में अपने खेल में काफी सुधार किया है। राजावत ने इस सत्र में जिंटिंग, जापान के कोडाई नाराओका और हमवतन लक्ष्य सेन से शीर्ष खिलाड़ियों को तीन गेम तक चले मुकाबले में कड़ी टक्कर दी है।

तीसरे दौर में हारी सिंधू

पिछले कई टूर्नामेंटों से शुरुआती दौर में ही बाहर होने के कारण विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसकी सिंधू को दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी झांग ने 39 मिनट में 21-12, 21-17 से हरा दिया। पिछले दस मुकाबलों में सिंधू ने झांग को छह बार हराया है लेकिन चीनी मूल की

इस अमेरिकी खिलाड़ी से आज पार नहीं पा सकी। सिंधू ने हमवतन अष्मिता चालिहा और आकर्षि कश्यप को पहले दो दौर में हराया था लेकिन झांग से हार निराशाजनक रही। वह इस साल 12 बीडब्लूएफ विश्व टूर टूर्नामेंटों में से सात में जल्दी बाहर हो गई।

भारत ने रचा इतिहास

कंपाउंड टीम बनी आर्चरी वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में भारत की महिला कंपाउंड टीम ने इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने शुक्रवार को बर्लिन में स्वर्ण पदक जीता। यह किसी भी वर्ग में तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण है।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप

भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक के लिए फाइनल में मैक्सिकन कंपाउंड टीम डैफने क्विंटेरो, एना सोफा हर्नांडेज जियोन और एंड्रिया बेसेरा को 235-229 से हराया। क्वालिफिकेशन राउंड में दूसरे स्थान पर रहे भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन कोलंबिया को 220-216 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद, भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने क्रमशः क्वार्टर फाइनल और प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे और तुर्की को हराया था। भारत ने इसे पहले विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में 9 रजत और 2 रजत सहित 11 पदक जीते थे।

साई ने दी जीत की बधाई

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने महिला खिलाड़ियों को बधाई देते हुए लिखा, भारत ने बर्लिन में रचा इतिहास, महिला कंपाउंड टीम ने फाइनल में 235-229 से जीतकर विश्व चैंपियंस का ताज पहना। यह विश्व चैंपियनशिप में टीम इंडिया का पहला गोल्ड मेडल है। लड़कियों को बहुत-बहुत बधाई! आप पर बहुत गर्व है।

चोटिल इकबाल ने बांग्लादेश की कप्तानी छोड़ी, एशिया कप से हटे

एजेंसी ▶▶| ढाका

बाएं हाथ के बल्लेबाज तामिम इकबाल ने कमर की चोट के कारण एशिया कप से बाहर होने के बाद बांग्लादेश की वनडे टीम की कप्तानी छोड़ दी। एशिया कप 31 अगस्त से दो सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाएगा। 34 वर्ष के तामिम ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान वनडे क्रिकेट को अलविदा कहा था लेकिन बाद में फैसला बदल दिया।

तामिम ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैं कप्तानी से हट रहा हूं और एक खिलाड़ी के तौर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करूंगा। चोट का मसला है। मैने बोर्ड को इसके बारे में बता दिया है। मैने हमेशा टीम को सर्वोपरि रखा है। उसे ध्यान में रखकर कप्तानी छोड़ना ही सर्वश्रेष्ठ फैसला है।' पिछली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के दखल देने के बाद तामिम ने अपना फैसला बदला था लेकिन उन्होंने कहा कि इस बार वह प्रधानमंत्री को बता चुके हैं।

भारत की मार्टिना ने जीता रजत पदक

ग्रेटर नोएडा। भारत की मार्टिना देवी ने एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में शुक्रवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन से पहले महिलाओं की 81 किग्रा से अधिक युवा वर्ग में रजत पदक जीता। मार्टिना ने कुल 218 किग्रा (95+123) वजन उठाकर युवा वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया। वियतनाम की थी हिएन ट्रान ने कुल 224 किग्रा (100+124) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि उज्बेकिस्तान की लोलाखोना अब्दुरशीदोवा ने 193 किग्रा (83+110) के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

भारतीय टीम ने गंवाए मौके जापान ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

पहले मैच में शानदार जीत के बाद लय को कायम नहीं रख सकी भारतीय टीम ने कई मौके गंवाए और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मैच में शुक्रवार को जापान ने उसे 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। जापान के लिए केन नागायोशी ने 28वें मिनट में गोल किया जबकि भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 43वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। भारत ने पहले मैच में गुरुवार को चीन को 7-2 से हराया था। भारत को अब रविवार को मलेशिया से खेलना है जबकि पाकिस्तान का सामना जापान से होगा।

वुशू खिलाड़ी सरवर डोप टेस्ट में विफल

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे वुशू खिलाड़ी ओवैस सरवर अहेंगर और एक नाबालिग तैराक को डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी ने अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया है। नाडा के अनुसार 23 वर्ष के सरवर के डोप टेस्ट में 19 नोरांड्रोस्टेरोन समेत कई प्रतिबंधित दवाओं के अंश पाए गए हैं। इनमें मेफेंटेरमाइन और फेंटेरमाइन शामिल है। नाबालिग तैराक को भी 19 नोरांड्रोस्टेरोन के सेवन का दोषी पाया गया।

11 टेस्ट, 70 एकदिवसीय और 75 टी20 में किया देश का प्रतिनिधित्व

इंग्लैंड के हेल्स ने क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी ▶▶| लंदन

इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास की घोषणा की। हेल्स ने अगस्त 2011 में मैनचेस्टर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 11 टेस्ट, 70 एक दिवसीय और 75 टी20 में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया।

हेल्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। तीनों प्रारूपों में 156 मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने जीवन भर के लिए कुछ यादें और कुछ दोस्त बनाए है। मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का सही समय है।'

हेल्स का प्रदर्शन

हेल्स ने 75 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30.95 कर औसत से 2074 रन बनाए। इस प्रारूप में उन्होंने एक शतक और 12 अर्धशतक लगाया। वह 11 टेस्ट में पांच अर्धशतक की मदद से महज 573 (27.28 की औसत के साथ) रन ही बना सके।

विश्व कप से मिली संतुष्टि

हेल्स ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मैच 2022 के टी20 विश्व कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में खेला था। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड की जर्सी में कुछ ऊंचाइयों के साथ नाकामियों को भी अनुभव किया है। इस एक अविश्वसनीय यात्रा के दौरान मुझे बहुत संतुष्टि महसूस हो रही है कि इंग्लैंड के लिए मेरा आखिरी मैच विश्व कप फाइनल जीतना था।'

वनडे में खेली दूसरी बड़ी पारी

हेल्स 2019 में विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं थे। ड्रग सेवन से जुड़े मामले में उन्हें 21 दिन के लिए प्रतिबंधित किया गया था और तत्कालीन कप्तान इयोन मोर्गन ने इसे 'पूरी तरह से भरोसा तोड़ने वाला करार दिया था। हेल्स ने हालांकि सफेद गेंद में इंग्लैंड की टीम को फिर से शीर्ष पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी 92 गेंद की 147 रन की पारी के दम टीम ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छह विकेट पर 481 रन बनाए थे। यह एकदिवसीय क्रिकेट का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है।

घर पर मफिन बनाते समय ना करें ये गलतियां

जब कुछ अच्छा और मीठा खाने का मन करता है तो अक्सर लोग मफिन खाना पसंद करते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर किसी को मफिन खाना काफी अच्छा लगता है। अधिकतर लोग इसे घर पर ही बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, कई लोगों की यह शिकायत होती है कि घर पर मफिन उतने टेस्टी नहीं बनते हैं, जितना कि हमने सोचा होता है। ऐसे में काफी निराशा होती है। हमें समझ ही नहीं आता है कि वास्तव में गड़बड़ कहां हो रही है।

बैटर को ओवरमिक्स करना- यह एक कॉमन मिसटेक है, जिसे हम सभी अक्सर मफिन बनाते समय कर बैठते हैं। अच्छे और टेस्टी मफिन लाइट होते हैं। आप बैटर को किस तरह मिलता हैं, इसका एक बड़ा प्रभाव आपके मफिन के टेक्सचर पर पड़ता है। अगर आप बैटर को जरूरत से ज्यादा मिक्स करते हैं तो ओवर मिक्सिंग के कारण एयर बबल्स खत्म हो जाते हैं और आपको वह फ्लफी टेक्सचर नहीं मिल पाता है। इसलिए कोशिश करें कि आप उसे तब तक मिलाएं, जब तक कि सूखी व गीली सामग्री आपस में मिल ना जाए।

मफिन लाइनर का इस्तेमाल ना करना- शायद आपने ओर ध्यान ना दिया हो, लेकिन मफिन बनाने के लिए मोल्ड में पहले मफिन लाइनर का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है। अगर आपके पास मफिन लाइनर नहीं है तो ऐसे में कप्स को ग्रीस करना चाहिए या फिर पार्चमेंट पेपर से खुद ही लाइनर बनाएं। इससे बाद में मफिन आसानी से कप से बाहर निकल जाते हैं।

मफिन को सही तरह से ना पकाना- मफिन बनाते समय यह बेहद आवश्यक है कि आप उसे सही तरह से पकाएं। ओवर कुकिंग और अंडर कुकिंग दोनों से ही मफिन का टेस्ट काफी बिगड़ जाता है। अगर आप उसे कम समय पकाते हैं तो इससे मफिन स्टिकी बनते हैं और बीच में से कम पके रह जाते हैं। वहीं देर तक पकाने से वह काफी सूखे व बेकार लगते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप उसे बेक करने के लिए रेसिपी को सही तरह से फॉलो करें। साथ ही, मफिन को टेस्ट करने के लिए टूथपिक का इस्तेमाल करें।

गृह सचिव भल्ला को चौथी बार मिला सेवा विस्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को शुक्रवार को 22 अगस्त, 2024 तक एक साल का सेवा विस्तार दिया गया। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश से यह जानकारी मिली। यह इस पद पर उनका चौथा सेवा विस्तार है। असम-मेघालय कैडर के 1984 बैच के आईएएस के अधिकारी भल्ला को अगस्त 2019 में गृह सचिव नियुक्त किया गया था। भल्ला को 60 वर्ष की उम्र पूरी होने पर नवंबर 2020 में सेवानिवृत होना था। उनका कार्यकाल पहली बार 17 अक्टूबर, 2020 को 22 अगस्त, 2021 तक बढ़ाया गया था। भल्ला का कार्यकाल 2021 और 2022 में एक-एक साल के लिए बढ़ाया गया था। आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने भल्ला की सेवा को 22 अगस्त, 2023 से आगे एक साल की अवधि के लिए यानी 22 अगस्त, 2024 तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है।

मेक्सिको में बस के खाई में गिरने से 18 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी, (एजेंसी)। मेक्सिको के उत्तर-पश्चिमी नायरिट राज्य में एक यात्री बस के खाई में गिरने से 18 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने नायरिट के सुरक्षा और नागरिक संरक्षण सचिव जॉर्ज बेनिटो रोड्रिग्ज का हवाला से बताया कि हादसा गुरुवार को उस वक्त हुआ, जब मेक्सिको सिटी से अमेरिका की सीमा पर तिजुआना जा रही बस टेपिक के उत्तरी बाईपास पर अनियंत्रित होकर करीब 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इसमें 18 लोगों की मौत हो गयी और 22 अन्य घायल हो गए। मृतकों में तीन नाबालिग थे। श्री रोड्रिग्ज ने कहा कि स्थान के कारण बचावदलों को बचावकार्य में काफी मुश्किलें आ रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट का इंडिया नाम को लेकर नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नाम को लेकर केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और विपक्षी पार्टियों से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट इस मामले की सुनवाई 21 अक्टूबर को करेगा। कोर्ट में गिरीश भारद्वाज ने गुरुवार को याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि विपक्षी गठबंधन का नाम बदल दिया जाए। इससे पहले चिराग पासवान भी गठबंधन के नाम को लेकर आपत्ति जता चुके हैं। उन्होंने कहा था कि आप देश के नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकते, ये पूरी तरह गलत है। गिरीश भारद्वाज ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने 19 जुलाई को इस नाम के खिलाफ एक्शन लेने की चुनाव आयोग से अपील की थी।

शर्तों के साथ जगदीश टाइटलर को अग्रिम बेल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत मिल गई है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पुल बंगश इलाके में हुई हत्याओं के मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर को शुक्रवार को अग्रिम जमानत दे दी। अदालत ने टाइटलर को सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करने या उसकी अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ने का भी निर्देश दिया। कार्यवाही के दौरान एक महिला, जिसने खुद को पीड़ित होने का दावा किया। उसने अदालत को बताया कि 39 साल हो गए हैं और उन्हें अभी तक न्याय नहीं मिला है।

काला सागर बंदरगाह के पास नौसेना अड्डे पर हमला

मास्को, (एजेंसी)। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन के समुद्री ड्रोनों ने शुक्रवार तड़के रूसी निर्यात के प्रमुख केंद्र नोवोरोस्सिएस्क के काला सागर बंदरगाह के पास एक रूसी नौसेना अड्डे पर हमला किया और रूसी युद्धपोतों द्वारा उन्हें नष्ट कर दिया गया। कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम, जो वहां एक तेल टर्मिनल संचालित करता है, के अनुसार हमले के कारण नोवोरोसिस्क बंदरगाह को अस्थायी रूप से सभी जहाजों की आवाजाही रोकनी पड़ी।

आज का इतिहास

- **1775:** बंगाल नवाब के अधिकारी नंदकुमार को कलकत्ता (अब कोलकाता) में फांसी दी गई।
- **1874:** जापान ने डाक बचत प्रणाली शुरू की।
- **1914:** अमेरिका में पहली बार इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट लगाई गई।
- **1914:** क्यूबा, उरुग्वे, मैक्सिको और अर्जेंटीना ने प्रथम विश्व युद्ध में भाग नहीं लेने की घोषणा की।
- **1915:** प्रथम विश्व युद्ध में वारसा पर जर्मनी का अधिकार हो गया यह क्षेत्र पहले रूस के अधिकार में था।
- **1921:** अमेरिका और जर्मनी ने बर्लिन शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **1923:** सुलिवान इंग्लिश चैनल पार करने वाले पहले अमेरिकी तैराक बने।
- **1960:** अफ्रीकी देश बुर्किनाफासो ने स्वतंत्रता की घोषणा की।

कुलगाम में मुठभेड़, सेना के तीन जवान शहीद

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार को जारी मुठभेड़ में सेना के तीन जवान शहीद हो गये। आधिकारिक प्रवक्ता के मुताबिक कुलगाम के हलाण वन क्षेत्र के ऊंचे इलाकों में शुक्रवार को शाम आतंकवादियों और संयुक्त बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। सेना ने एक ट्वीट में कहा कि कुलगाम में हलाण के ऊंचे इलाकों में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना पर सुरक्षा बलों ने 04 अगस्त 23 को अभियान शुरू किया। आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में तीन जवान घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि सेना का एक जवान, जावेद अहमद वानी, जो छुट्टी पर अपने पैतृक जिले कुलगाम से लापता हो गया था। पुलिस द्वारा उसका पता लगाए जाने के एक दिन बाद गोलीबारी शुरू हो गई। पुलिस ने हालांकि इस बारे में अधिक खुलासा नहीं किया कि जवान का पता कैसे लगाया गया।

इससे पूर्व पुलिस ने बताया था कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में हालां वन क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाके में यह मुठभेड़ हुई। कश्मीर जोन पुलिस ने इस संबंध में ट्वीट किया है, मुठभेड़ में तीन जवान घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में तीन जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। पुलिस और सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम को इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

गजराज की करंट से मौत

असम के कामरूप जिले में सुपारी के बागान में भोजन की तलाश कर रहे दो गज शावकों सहित तीन जंगली हाथियों की शुक्रवार को बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना रानी वन रेंज कार्यालय के तहत पानीचंदा क्षेत्र में हुई। कामरूप पूर्वी प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी रोहिणी सैकिया ने घटना की पुष्टि की और कहा कि जंगली हाथियों का एक झुंड भोजन की तलाश में पास के जंगल से क्षेत्र में आया और तीन हाथी बिजली के तार के संपर्क में आ गए। जिससे उनकी मौत हो गई।

बजरंग पूनिया को दिल्ली कोर्ट ने किया तलब

पानीपत, (एजेंसी)। हरियाणा के ओलंपिक मेडलिस्ट पहलवान बजरंग पूनिया पर आए दिन नई मुश्किलें आ रही हैं। जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरना प्रदर्शन के दौरान अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने बजरंग पूनिया को तलब किया है। पहलवान कोच नरेश दहिया ने बजरंग पूनिया के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। कोर्ट ने पूनिया को बतौर आरोपी 6 सितंबर को तलब किया है। शिकायतकर्ता नरेश दहिया ने आपराधिक मानहानि शिकायत में कहा कि 10 मई को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान बजरंग पूनिया ने एक पीसी में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने गुरुवार को निर्देश दिया कि पूनिया उस दिन (6 सितंबर) पेश हों।

रुद्रप्रयाग में भारी बारिश के बाद 19 लापता, 3 शव बरामद, यात्रा रोकी

रुद्रप्रयाग/देहरादून। केदारनाथ के गौरीकुंड में तेज बारिश के बाद पहाड़ी से आया मलबा अपने साथ दो ढाबे और एक खोखा बहा ले गया। इनमें रह रहे 22 लोगों में तीन के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि 19 अन्य लापता हैं। इन सभी के मंदाकिनी में बहने की आशंका जताई जा रही है। गुरुवार देर शाम से ही केदारघाटी में भारी बारिश शुरू हो गई थी। इस भूस्खलन में तीन ढाबे भी दब गए।

रात करीब 11.15 बजे गौरीकुंड बाजार से 500 मीटर पहले डाट पुलिया के पास पहाड़ी से पहले भूस्खलन हुआ और कुछ ही क्षणों में तेजी से आया मलबा अपने साथ सड़क किनारे के दो ढाबे और एक खोखा बहा ले गया। मलबा और पानी इतने तेज गति से आया कि ढाबों सो रहे व्यक्तियों को भागने का मौका तक नहीं मिला। सड़क का लगभग 15 से 20 मीटर हिस्सा भी मलबा अपने साथ बहा ले गया। लापता लोगों के नदी में बहने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के आसपास 16-17 अन्य ढाबें व दुकानें हैं। सुलभ इंटरनेशनल के एक मजदूर ने पुलिस को हादसे की सूचना दी।

केदारनाथ में आसमान से बरसी मौत

आपदा कंट्रोल रूम पहुंचे सीएम धामी

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी बारिश से रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड में हालात का जायजा लेने सचिवालय स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आपदा कंट्रोल रूम पहुंचकर प्रदेश में हो रही भारी बारिश के संबंध में अफसरों संग बैठक कर अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी ली। और ट्वीट कर बताया कि वो स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

एक परिवार के सात लोग लापता

इस हादसे में एक ही परिवार के सात लोग भी शामिल हैं, जिसमें अमर बोहरा उसकी पत्नी औप पांच बच्चें शामिल हैं। ये सभी नेपाल के रहने वाले हैं और यात्रा सीजन पर मजदूरी करने आए थे। अमर बोहरा एक ढाबा चला रहा था। बारिश से रेस्क्यू अभियान बाधित- लगातार हो रही बारिश के चलते रेस्क्यू टीम के सामने परेशानी खड़ी हो रही। पहाड़ी पर कई बोल्डर फंसे हैं, जिनके कभी भी नीचे गिरने का खतरा बना है। ऐसे में एसडीआरएफ और पुलिस के जवान जान जोखिम में डालकर रेस्क्यू में जुटे हैं। वहीं, जेसीबी भी मलबा नहीं हटा पा रही है। वहीं केदारनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई।

राजा भैया तलाक मामले में पत्नी भानवी सिंह ने दाखिल किया जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी कुमारी सिंह से तलाक के मामले में नया मोड़ सामने आया है। भानवी कुमारी सिंह ने दिल्ली की साकेत कोर्ट में शुक्रवार को अपना जवाब दाखिल किया है। इस दौरान उन्होंने इस मामले को मध्यस्थता के लिए भेजने की मांग की है। अब इस मामले की सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। राजा भैया ने अपनी पत्नी भानवी सिंह से 2002 में तलाक मांगा था। उन्होंने अपने पत्नी पर मानसिक उत्पीड़न और परिवार की छवि खराब करने का आरोप लगाया था। राजा भैया ने अपनी पत्नी से तलाक लेने के लिए साकेत कोर्ट में अर्जी लगाई थी। अब भानवी सिंह ने जवाब दाखिल कर दिया है।

5 अफसरों पर एफआईआर

नितिन देसाई खुदकुशी केस

रायगढ़ (महाराष्ट्र), (एजेंसी)। महाराष्ट्र के रायगढ़ में पुलिस ने शुक्रवार को आर्ट डायरेक्टर नितिन चंद्रकांत देसाई की आत्महत्या के मामले में ईसीएल/एडेलवाइस समूह और उसके पांच अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह मशहूर आर्ट डायरेक्टर की पत्नी नेहा एन. देसाई द्वारा खालापुर पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई है। नेहा देसाई ने अपनी शिकायत में दावा किया कि ईसीएल फाइनेंस कंपनी/एडलवाइस ग्रुप के अधिकारी बकाया ऋण के लिए उनके पति को नियमित रूप से परेशान कर रहे थे, और मानसिक तनाव के कारण उन्होंने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी।

Filmiतड़का

अभिषेक और सैयामी की जोड़ी की घूमर का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सैयामी खेर, अभिषेक बच्चन, शबाना आजमी और अंगद बेदी स्टारर फिल्म घूमर का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में एक ऐसी वुमन क्रिकेटर अनिका की लाइफ दिखाई गई है जो एक एक्सीडेंट के बाद अपना दांया हाथ खो देती है। इसके बाद वो फिर से क्रिकेट खेलने के लिए स्ट्रगल करती है और इसमें उसकी मदद एक कोच करता है।

लाइफ लॉजिक नहीं मैजिक का खेल है

कोच बने हैं अभिषेक बच्चन: फिल्म में अभिषेक बच्चन उस कोच के रोल में नजर आएंगे जो एक्सीडेंट के बाद अनिका की मदद करता है। ट्रेलर में दिखाया है कि अनिका के बचपन का सपना है टीम इंडिया के लिए खेलना। वो इसे अचीव भी कर लेती है पर इसी बीच एक एक्सीडेंट में वो अपना दांया हाथ खो देती है। इसके बाद अभिषेक बच्चन का किरदार उन्हें कोच करता है और अनिका को बाएं हाथ से बॉलिंग करने में मदद करता है। अभिषेक बच्चन इसमें कोच के रोल में नजर आएंगे।

अभिनेत्री जूही चावला की फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान का टीजर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला की आने वाली फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान का टीजर रिलीज हो गया है। फ्राइडे नाइट प्लान में जूही चावला और बाबिल खान मां और बेटे के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में अमृत जयान की भी अहम भूमिका है,जो बाबिल के भाई का किरदार निभा रहे हैं। टीजर में जूही चावला अपने दोनों बेटों से बात कर रही हैं।

टीजर में जूही कह रही हैं कि वो पुणे जा रही हैं और हो सकता है उन्हें एक रात बाहर ही रहना पड़े तो क्यों दोनों बेटे एक दिन घर में अकेले मैनेज कर लेंगे।इसके बाद टीजर में बालिल खान और उनके भाई घर में पार्टी करते हुए दिखाई देते हैं। वहीं, बाबिल नाइट आउट करते, पार्टी में जमकर डांस और अपने स्कूल की लड़कियों से फ्लर्ट करते हुए दिखाई देते हैं। फ्राइडे नाइट प्लान को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के एक्सेल एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। वहीं, इस फिल्म को वत्सल नीलकंठ ने निर्देशित किया है। फ्राइडे नाइट प्लान 01 सितंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान फ्राइडे नाइट प्लान नाम से एक और वेब प्रोजेक्ट के लिए तैयारी कर रहे हैं, जो सितंबर में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जाएगी। फिल्म के निर्माताओं ने शुक्रवार को फिल्म का टीजर जारी किया। नेटफ्लिक्स पर बाबिल की दूसरी फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान की रिलीज से पहले यंग एक्टर बाबिल ने बातचीत में ओटीटी पर ज्यादा काम करने की वजह पर कहा कि उनकी ऐसी ख्वाहिश कभी नहीं थी कि मुझे थिएटर में आना है या बिग स्क्रीन पर आना है। मैं लोगों के दिलों तक पहुंचना चाहता हूं। बाबिल ने आगे कहा कि वो ज्यादा लोगों तक पहुंचना चाहते हैं, चाहे उनका काम किसी भी माध्यम से रिलीज हो।

अंगदान से बड़ा पुनीत कोई कार्य नहीं: गहलोत

जयपुर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अंगदान से बड़ा पुनीत कार्य कोई नहीं है। वर्तमान समय में आवश्यकता के मुकाबले बहुत कम संख्या में अंगदान हो रहा है। इसलिए समाज को अंगदान के लिए आगे बढ़कर संकल्प लेना चाहिए। श्री गहलोत गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर अंगदान महाअभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कार्यक्रम में अंगदान महाअभियान पखवाड़े का शुभारंभ कर इसके पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि आमजन में बिना संकोच के अंगदान की भावना विकसित करने के लिए यह मुहिम शुरू की गई है। अंगदान के लिए सकारात्मक माहौल बनने से लोगों की कीमती जिंदगियां बचाई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिरंजीवी योजना के तहत अंग प्रत्यारोपण जैसे महंगे इलाज को भी निःशुल्क कर दिया गया है। राज्य के बाहर जाकर अंग प्रत्यारोपण कराने वाले प्रदेशवासी भी इसका लाभ उठा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को अंगदान करने का संकल्प दिलाया।

रोडवेज मुख्यालय में अंगदान और जीवनदान महाभियान, कर्मचारियों ने अंगदान की ली शपथ

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के कार्यकारी निदेशक संजीव कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को सायं 5 बजे मुख्यालय प्रांगण में अंगदान, जीवनदान महाभियान के अतंर्गत रोडवेज कर्मचरियों व अधिकारियों को अंगदान की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में अंगदान के विषय में जन जागरूकता बढाने के लिए निगम के कर्मचारियों व अधिकारियों ने मृत्यु के पश्चात किसी को नया जीवन देने के लिए अंग व टीश्यू दान करने एवं परिवार, मित्रों व देशवासियों को भी अभियान के साथ जुडने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली।

अमानुल्लापुर का नाम अब जमुना नगर होगा

केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने ओडिशा में एक रेलवे स्टेशन और राजस्थान के तीन गांवों समेत चार गांव के नाम बदलने को अपनी मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राजस्थान के उदयपुर जिले की कनोड तहसील में स्थित 'खिमवातों का खेड़ा' का नाम बदलकर 'खिमसिंहजी का खेड़ा', जोधपुर जिले की फलोदी तहसील में 'बेंगती कला' का नाम बदलकर 'बेंगती हरबुजी' और जालौर जिले की सायला तहसील में 'भुंडवा' का नाम बदलकर 'भांडवपुरा' करने के लिए एनओसी दे चुकी है। इसके अलावा उप्र के सीतापुर जिले में स्थित 'अमानुल्लापुर' का नाम बदलकर जमुना नगर करने के लिए भी एनओसी दी गई है। गृह मंत्रालय ने ओडिशा के खोरधा मंडल में हरिदासपुर-पारादीप में 'रत्नागिरी रोड रेलवे स्टेशन' का नाम बदलकर 'उदयगिरी-रत्नागिरी रोड रेलवे स्टेशन' करने की भी मंजूरी दी है। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय रेल मंत्रालय, डाक विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग से अनापत्ति लेने के बाद किसी स्थान या स्टेशन का नाम बदलने की मंजूरी देता है।

राजस्थान में 19 नए जिलों को दी मंजूरी

जयपुर, (ब्यूरो)। सीएम अशोक गहलोत ने कैबिनेट मीटिंग के बाद नए 19 जिलों को मंजूरी दे दी है। राजस्थान में कुल मिलाकर 50 जिले होंगे। सीएम ने 2023-24 के बजट में राजस्थान में 19 नए जिले बनाए जाने की घोषणा की थी, जबकि जयपुर को दो हिस्सों में बाटने के विरोध पर 17 जिलों का राजस्थान में कैबिनेट मीटिंग में नोटिफिकेशन को हरी झंडी दी गई।

टिप्पणी हाई कोर्ट ने लिव इन में रहने वाले कपल को लेकर कहा

मर्जी से संबंध बनाने के बाद झूठे आरोप लगाती हैं लड़कियां

इलाहाबाद ■

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने लिव इन में रहने वाले कपल को लेकर अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे बहुत से मामले देखने में आए हैं, जहां महिलाएं लंबे समय तक लिव इन में रहने के बाद फर्जी रेप केस दर्ज करा देती हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि कपल के साथ रहने के दौरान झगड़े होना आम बात है। हालांकि पिछले कुछ वक्त में ऐसे बहुत सारे मामले हमने देखे हैं जिनमें लड़कियों ने अपने पार्टनर पर झूठे आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज करा देती हैं। परिवार के सम्मान की रक्षा के नाम पर कई बार ये झूठे केस दर्ज कराए जा रहे हैं। कोर्ट की यह टिप्पणी पर सोशल मीडिया में प्रतिक्रिया आ रही है। हाई कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में यह भी कहा कि महिलाओं को कानूनी संरक्षण मिला हुआ है और ऐसे मामलों में वह इसका फायदा उठाती हैं।

कोर्ट में बड़ी संख्या में आ रहे इस तरह के मामले

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि महिलाओं को कानून की तरफ से संरक्षण मिला हुआ है। कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि कानूनों का सहारा लेकर महिलाएं पुरुषों को आसानी से फंसा देती हैं। हाई कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि कोर्ट में बड़ी संख्या में इस तरह के मामले आ रहे हैं, जिनमें महिलाएं लंबे समय तक किसी के साथ रिलेशन में रहती हैं। इस दौरान उनके शारीरिक संबंध भी होते हैं और फिर अनबन होने या किसी और वजह से अपने पार्टनर पर रेप का आरोप लगा देती हैं।

न्यायिक अफसर बरतें सतर्कता

हाई कोर्ट की जस्टिस सिद्धार्थ ने अपनी टिप्पणी में कहा कि जब भी इस तरह के मामले सामने आएं, तो न्यायिक अधिकारियों को सतर्कता बरतनी चाहिए। कोई भी फैसला देने से पहले उन्हें जमीनी हकीकत की पड़ताल करनी चाहिए। अदालत ने वाराणसी निवासी ओम नारायण पांडेय की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में यह भी कहा कि कानून पुरुषों की तुलना में महिलाओं को ज्यादा अधिकार देता है। इसका फायदा उठाकर बहुत सी महिलाएं झूठे केस अपने पार्टनर पर दर्ज करा देती हैं।

नाबालिग से शादी का वादा करके रेप का आरोप

इलाहाबाद हाई कोर्ट में ओम नारायण पांडेय के खिलाफ वाराणसी के सारनाथ थाने में यौन उत्पीड़न सहित पॉक्सो के तहत एफआईआर दर्ज है। आरोपी पर नाबालिग लड़की के साथ शादी का वादा कर यौन संबंध बनाने का आरोप है। पांडेय के वकील ने कोर्ट को बताया कि दोनों ने अपनी मर्जी से शारीरिक संबंध बनाए थे। इसी मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने यह अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि महिलाएं कई बार परिवार के सम्मान के नाम पर शिकायत दर्ज करा देती हैं।

समाजवादी जनो ने गोष्ठी आयोजित कर मनाया छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को महान समाजवादी नेता ,छोटे लोहिया के नाम से दुनिया में विख्यात स्वर्गीय जनेश्वर मिश्रा की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी गाजीपुर के तत्वाधान में पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई । गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकताओं एवं नेताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोकतंत्र की रक्षा एवं समाज में व्याप्त गैर बराबरी को समाप्त करने का संकल्प लिया । गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र को महान नेता बताते हुए समाजवादी आंदोलन का प्रमुख स्तंभ बताया । उन्होंने कहा कि वह समाजवाद के पुरोधा थे ।उन्होंने अपने वसूलों और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उनके मन में गरीब ,कमजोर और पीड़ितों के लिए करुणा थी । वह पूरा जीवन सरलता ,ईमानदारी और सादगी की चादर ओढ़े रहे । उन्होंने अन्याय, शोषण, अत्याचार, भेदभाव, छुआछूत और पूंजीवाद के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। वह खांटी समाजवादी थे, वह कहा करते थे कि गरीबों के आंसू पूछना ही सच्चा समाजवाद है। डॉ लोहिया ने उनके बारे में कहा था कि जनेश्वर मिश्र जैसा एक भी नेता अगर मुल्क में रहेगा तो तानाशाही ताकत देश में कभी भी अपना सर नहीं उठा सकती । अस्पृश्यता के खिलाफ उन्होंने जीवन पर्यंत लड़ाई लड़ी और उसके खिलाफ आंदोलन भी किया । छुआछूत को पूरे देश के लिए कलंक मानते थे । उनके मन में बचपन से ही सामाजिक व्यवस्था में व्याप्त विसंगतियों के प्रति विद्रोह की भावना थी ।आंदोलन और संघर्ष उनके जीवन के मूल मंत्र थे ।वह सामाजिक और राजनीतिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के पैरोकार रहे । आज जब मोदी की तानाशाही नीतियों के चलते पूरा देश त्राहि-त्राहि कर रहा है , जब देश का किसान, नौजवान, व्यापारी, बहू- बेटियां हैरान व परेशान है, ऐसे समय में आज पूरा मुल्क जनेश्वर मिश्र को बड़ी शिद्दत से याद कर रहा है कि जनेश्वर मिश्र यदि आज जिन्दा होते तो तानाशाही ताकतों पर लगाम कसने का काम करते । इस विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा, उमाशंकर कुशवाहा, पुर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, आत्मा यादव, रविन्द्र प्रताप यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, रामवचन यादव, राजेश कुमार यादव, राजनरायन यादव,भरत यादव, रामविजय यादव, मारकन्डेय यादव, चन्द्रिका यादव, खेदन यादव, आशीष यादव, बृजदेव खरवार, केसरी यादव, बलिराम यादव, विजय शंकर यादव, अमित सिंह, लल्लन राम, दारा यादव,आदि मौजूद थे। गोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री कन्हैयालाल विश्वकर्मा ने किया।

छोटे लोहिया स्वं जनेश्वर मिश्र की जंयती धूमधाम से मनाई गई

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर छोटे लोहिया स्वं जनेश्वर मिश्र के जंयती बडे धूमधाम से निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्यक्षता में मनाया गया तथा गोष्ठी आयोजन कर मासिक बैठक हुआ उनके विचारों को बारे में चर्चा किया गया । अध्यक्षता करते हुए डां अवधनाथ पाल ने कहा समाजवादी राजनीति की चर्चा हो तो जनेश्वर मिश्र का नाम लिए बिना चर्चा पूरी नहीं होती चाहे वो नेताजी रहे हो या राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समाजवाद पर बोलते हुए दोनों ही जनेश्वर मिश्र का नाम जरूरी तौर पर लेते है समाजवादी नेता और जनेश्वर मिश्र को छोटे लोहिया के नाम से भी पुकारते हैं जनेश्वर मिश्र समाजवादी नेता डॉ राम मनोहर लोहिया के बडे अनुयायियों में गिने जाते है छात्र जीवन से ही लोहिया के विचारों का

प्रभाव पड़ गया था समाजवादी युवजन सभा ज्वाईन करने पहली बार राम मनोहर लोहिया के संपर्क मे आये और लोहिया के साथ लम्बे समय तक कियें । जनेश्वर मिश्र जब जब भी सरकार मे रहे सदा कमजोर वर्ग किसानों की आवाज उठाने का काम किए और उनके कार्य काल मे जो का कमजोर शोषित वर्ग के लिए हुआ है आज भी लोग याद करते हैं। डां अवधनाथ पाल ने मासिक बैठक में कहा बताया कि 9 अगस्त को विधानसभाओं में सेक्टर स्तर पर जंन पंचायत आयोजित किया जायेगा जंन पंचायत में मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव द्वारा विकास कार्यों का जन जन तक समझना और वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे शोषित वंचित किसान नौजवान पे हो रहे अत्याचार को बताना है बैठक मे मुख्य रूप से पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव, महेन्द्र यादव, राजेन्द्र यादव टाइगर, राहुल त्रिपाठी, हिरालाल विश्कर्मा, मेवालाल गौतम, दिनानाथ सिंह, इर्शाद मंसूरी, लाल मोहम्मद रानी रमापति यादव,अजमत अली कलीम अहमद साजिद अलीम,तारा त्रिपाठी, रामू मौर्या,रत्नाकर चौबे, घनश्याम यादव, राजदेव पाल शबनम नाज, अनील दूबे,सूर्यभान यादव,राम इकबाल आदि लोग उपस्थित रहे।

यूपी में प्रधानाध्यापिका रागिनी ने बढ़ाया जौनपुर का गौरव

प्रखर जौनपुर। 'भारत का शिराज' कहे जाने वाले यमदग्निपुरम् जौनपुर में प्रतिभाओं की कमी कभी नहीं रही। यह जनपद इतिहास में शिक्षा के लिए देश में मशहूर था। विदेशों से भी लोग यहां पर शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। आज यहां के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। कुछ ऐसा ही कर दिखाया अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना की प्रधानाध्यापक रागिनी गुप्ता ने। उत्तर प्रदेश के 15 जिलों के अनुभवी शिक्षकों में जौनपुर की रागिनी ने भी अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित करा लिया। बच्चों के लिए विभिन्न विषयों से संबंधित 140 कविताओं के संग्रह 'चहक' में रागिनी की 4 कविताएं शामिल हैं। यह जनपद के सभी शिक्षकों के लिए गौरव की बात है।

बच्चों के लिए लाभदायक

होंगी कविताएं : रागिनी गुप्ता– गौरतलब हो कि 'चहक' का सम्पादन राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका अरूना कुमारी राजपूत 'राज' द्वारा किया गया है। इस संबंध में रागिनी गुप्ता ने बताया कि उनकी 4 कविताएं 'चहक' में प्रकाशित होना उनके लिए गर्व का क्षण है। ये कविताएं निश्चित ही बच्चों के लिए लाभदायक होंगी। साथ ही शिक्षण कार्य में भी सभी शिक्षकों की मदद भी करेंगी। अभिनव प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका होने के नाते मैं अपने विद्यालय के सभी शिक्षकों को भी प्रोत्साहित और उनका उत्साह बढ़ाती रहती हूं। साथ ही बच्चों की शिक्षा में कोई कोर कसर न छोड़ी जाए इसका भी पूरा ध्यान देती हूं। उनकी इस उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों, साथी शिक्षकों के साथ ही शिक्षा अधिकारियों ने भी उन्हें बधाई दी है।

प्रधान संघ ने रोहनिया थाने का किया घेराव

ताबड़तोड़ हमले में घायल बीएचयू कर्मी वीरेंद्र हेड इंजरी के कारण अभी भी कबीरचौरा अस्पताल में जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा है

प्रखर वाराणसी। रोहनिया के मड़ाव गांव में बीते दिनों शुक्रवार को हुए खूनी संघर्ष में रोहनिया थाने में दोनों पक्षों के खिलाफ पंजीकृत किए गए मुकदमे में प्रधान संघ अध्यक्ष गगन सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों ग्राम प्रधानों के साथ थाने का घेराव किया सभी ने लामबंद होकर मड़ाव ग्राम प्रधान प्रकाश गोंड के ऊपर लगे मुकदमे वापस करो की नारेबाजी की प्रतिनिधियों का आरोप है कि थाना प्रभारी ने बिना जांच पड़ताल किए एक सम्मानित जनता के प्रतिनिधि के ऊपर लूट व छेड़छाड़ जैसे मामले दर्ज कर कार्यवाही कर रही है। वही दुसरी तरफ पुरानी रंजिश में मड़ाव में घर में घुसकर टीटीई

समेत तीन भाइयों पर जानलेवा हमला करने का आरोपी मनबढ़ प्रधान पचास से ज्यादा कथित नेताओं को लेकर रोहनियां थाने का घेराव करने पहुँचा। ज्ञात हो कि प्रधान व इनके गुर्गों के ताबड़तोड़ हमले में घायल बीएचयू कर्मी वीरेंद्र हेड इंजरी के कारण अभी भी कबीरचौरा अस्पताल में जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा है। वही इस पूरे मामले में रोहनिया थानाध्यक्ष का कहना था कि दोनों पक्षों का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और सबूतों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उद्योगपति व दिव्यांग मीट सम्पन्न हर दिव्यांग को देंगे काम नहीं रहेंगे दिव्यांगजन बेरोजगार - देव भट्टाचार्य

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सुंदरपुर स्थित राजेंद्र विहार कॉलोनी के ओमकार भवन में 5 अगस्त शनिवार को आयोजित दिव्यांग रोजगार मेला, (उद्योगपति व दिव्यांग मीट) को संबोधित करते रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य ने कहा कि दिव्यांग जनों को सम्मानजनक जीवन देने का कार्य समाज के सभी व्यक्तियों को करना चाहिए उनको शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार की चिंता समाज के संपन्न लोगों को करना चाहिए इसी क्रम में उन्होंने कहा कि आज जो दिव्यांग रोजगार मेला आयोजित किया गया है इसमें से कोई दिव्यांग निराश नहीं जाएगा हम सभी दिव्यांगों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार देने का काम करेंगे प्रधानमंत्री जी ने दिव्यांगों को जो रोजगार देने का आवाहन किया है इसी क्रम में हर दिव्यांग को हम आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाएंगे और हर दिव्यांग के हाथ को हम काम देंगे` मेले का रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन जन विकास समिति एवं स्पेशल एबल्ड फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से किया था इस मेले में 45 की संख्या में दिव्यांगजन आए जिन्हें रोजगार देने का कार्य संपन्न हुआ` रोजगार मेले में रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन से एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य के अतिरिक्त दीपक माहेश्वरी अशोक सुल्तानिया , राजेश गुप्ता, भरत जोतवानी , अनूप साहू अजय राय ,परेश सिंह और केसरी जी उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन द एबल्ड फाउंडेशन के डायरेक्टर दिव्यांग बंधु डॉक्टर उत्तम ओझा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन जन विकास समिति के रंजीत सिंह ने किया।

अन्तर्विद्यालयी युवा संसद विमर्श-2023 का भव्य आगाज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विद्यालयी स्तर पर विद्यार्थियों के भीतर लोकतांत्रिक समझ विकसित कराते हुए संसदीय कार्य प्रणाली व अनुशासन के मूल्यों को आत्मसात कराता अन्तर्विद्यालयी युवा संसद विमर्श- 2023 का 5 अगस्त 2023 शनिवार को संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर, हरहुआ वाराणसी में भव्य आगाज हुआ इस युवा संसद के उद्घाटन समारोह में पधारे विशिष्ट अतिथियों में सौरभ श्रीवास्तव (विधायक कैंट वाराणसी), पूनम मौर्या (जिला पंचायत अध्यक्ष) एवं कौशलेन्द्र सिंह (पूर्व महापौर वाराणसी) के पदार्पण ने विद्यार्थियों में अजस्त्र ऊर्जा का संचार किया` मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम के आरम्भ की औपचारिक उदघोषणा के पश्चात विद्यार्थियों की निर्धारित कमेटियों में वाद-विवाद, परस्पर संवाद एवं त्वरित वाकपटुता का जो दृष्टांत दिखायी दिया वह अपने आप में विलक्षण था। उल्लेखनीय है कि इस वृहद युवा संसद में कुल 11 समितियों में विभिन्न विद्यालयों से लगभग 600 से ज्यादा विद्यार्थियों के भाग ले रहें हैं इनमें प्रमुख समितियाँ लोकसभा, राज्यसभा, ऑल इंडिया पॉलिटिकल पार्टी मीट, नीति आयोग, जनमंच, उत्तर-प्रदेश विधानसभा, स्थानीय प्रतिनिधि संवाद तथा संविधान सभा हैं सभी समितियों का संचालन हर क्षेत्र के अनुभवी कार्यकारी बोर्ड द्वारा संचालित होगा जो देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आकर इस युवा संसद में सम्मिलित होंगे और अपना निष्पक्ष निर्णय देंगे इस युवा संसद का उद्देश्य हर एक युवा को एक जागरूक नागरिक बनाना है। विशिष्ट अतिथि

सौरभ श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों के भीतर सबसे पहले ज्ञान अर्जन आवष्यक है और राजनीति की सही समझ द्वारा उनमे देश के संचालन एवं कुशल वाद-विवाद की क्षमता विकसित होगी` पूनम मौर्या ने महिला शिक्षा एवं उनकी राजनीति में सक्रिय भागीदारी पर बल दिया कौशलेन्द्र सिंह (पूर्व महापौर वाराणसी) ने विद्यार्थियों को समझाया कि अन्तर्दृष्टि के बिना लोकतंत्र सम्भव ही नहीं है हमारे युवा अच्छी षिक्षा के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत आधार दे सकते हैं। संस्था सचिव राहुल सिंह ने कहा कि लोकल रिप्रेजेंटेटिव डॉयलॉग कमेटी पूरे भारत में पहली बार इस युवा संसद के माध्यम से संज्ञान में आयी है जिसकी उन्होंने भरपूर सराहना की और उन्हांने विद्यार्थियों में राजनीति की समझ के साथ कैरियर बनाने और ज्ञानार्जन पर भी बल दिया संस्था के सह-निदेशक आयुष्मान सिंह ने पधारे सभी विशिष्ट जन एवं अभ्यागतों के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित की` संस्था निदेशिका डॉ. वन्दना सिंह ने कहा कि इस युवा संसद के माध्यम से निश्चित रूप से हमारी युवा पीढ़ी में लोकतंत्र की अच्छी समझ विकसित होगी जिससे वे एक सुदृढ़ समाज की परिकल्पना को सार्थक कर सकेंगे इस युवा संसद में वर्तमान एवं भूतपूर्व पार्षदों की उपस्थिति भी प्रेरणादायी रही। प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह ने विभिन्न विद्यालयों से आये प्रतिभागी एवं उनके शिक्षकों से अपनी सशक्त सहभागिता द्वारा कल का कार्यक्रम भी सफल बनाने की अपील की` इस युवा संसद में हमारे नॉलेज पार्टनर अमर उजाला, रेडियो पार्टनर रेड एफ.एम. तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पार्टनर न्यूज स्टेट उत्तर-प्रदेश की भूमिका अति सराहनीय है।

प्रवासी साहित्य मूलतः सांस्कृतिक द्वंद का साहित्य है : शहजादी बानो

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पीजी कालेज गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त संगोष्ठी में भाषा संकाय के अंग्रेजी विषय की शोधार्थिनी शहजादी बानो ने अपने शोध प्रबंध शीर्षक "फिक्सन ऑफ झुम्पा लाहिरी, ए स्टडी इन डायस्पोरा" नामक विषय पर शोध प्रबन्ध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि डायस्पोरा का अर्थ प्रवासी भारतीयों द्वारा रचित साहित्य से है। झुम्पा लाहिरी मूलतः उपन्यासकार, कथाकार एवं निबंधकार है, जो अमेरिका की नागरिक है और अमेरिकन साहित्यकार के रूप में

इनकी पहचान है। इनका जन्म लन्दन में 1967 में हुआ था। इनके माता पिता कलकता से लन्दन गये थे जो बाद में अमेरीकी प्रवासी हो गये। प्रवासी साहित्य मूलतः सांस्कृतिक द्वंद का साहित्य है जिसमें व्यक्तिगत पहचान की खोज अहम पहलू होती है। शोध छात्रा ने झुम्पा लाहिरी के दो उपन्यासो-द नेमसेक और द लोलैंड तथा दो कहानियों इंटरप्रेटर ऑफ मैलाडीज एवं अनअकस्टमड अर्थ के संकलनों का विषद अध्ययन किया है और आगे कहा कि प्रवासी साहित्य में कल्चरल कन्फ्रन्टेशन और कल्चरल एसीमिलेशन दोनों ही होता है जो व्यक्तित्व के विकास में सहायक होता है। प्रस्तुतिकरण के बाद विभागीय शोध समिति, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा शोध पर विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थिनी शहजादी बानो ने संतुष्टिपूर्ण एवं उचित उत्तर दिया। तत्पश्चात समिति एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबंध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी० सिंह , मुख्य नियंता प्रोफेसर डॉ० एस० डी० सिंह परिहार, शोध निर्देशक एवं अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ० रविशंकर सिंह, प्रोफेसर डॉ० अरुण कुमार यादव, डॉ० रामदुलारे, डॉ० कृष्ण कुमार पटेल, डॉ० अमरजीत सिंह, डॉ० रामनारायण तिवारी, डॉ.अजय सिंह, प्रोफेसर डॉ० सत्येंद्र नाथ सिंह, डॉ० हरेंद्र सिंह, डॉ० रविशेखर सिंह, डॉ० योगेश कुमार, डॉ०शिवशंकर यादव, डॉ पीयूष कांत सिंह, डॉ मनोज कुमार मिश्रा एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा शोध छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे। अंत में अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी० सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

युवराज प्रताप सिंह का वॉलीबॉल अंडर-19 वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए इंडिया टीम में हुआ चयन

प्रखर आजमगढ़। जनपद के धरवारा जहानागंज निवासी राजेश सिंह के पुत्र युवराज प्रताप सिंह का वालीबाल अंडर 19 वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए इंडिया टीम में चयन हुआ है, युवराज प्रताप सिंह इस समय अर्जेन्टीना मे देश की तरफ से वर्ल्ड चैम्पीयनशिप मे खेल रहे है। युवराज के चचेरे दादा रिटायर बैंक मैनेजर रामेश्वर सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुये इसका श्रेय युवराज के दादा स्व. उद्धव सिंह को दिया, जो सदैव उसे खेलने के लिए प्रेरित करते रहे। युवराज के कड़ी मेहनत की ही देन है कि उसे आज देश के लिए खेलना का मौका मिला। हम परिवार व गांव के लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे है। ऑल इंडिया ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुभाष चंद्र तिवारी कुंदन ने युवराज सिंह को स्वर्णिम उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहाकि उन्होने जनपद का नाम देश विदेश में रोशन किया है। उनके जनपद आगमन पर जोरदार स्वागत किया जायेगा। इसके अलावा ग्रामीण बैंक इम्प्लाइज फेडरेशन के प्रदेश

अध्यक्ष एल के सिंह, इंद्रसेन सिंह, अमित सिंह, बृजेन्द्र वीर सिंह, वरुण सिंह, डॉ पियूष सिंह, आदित्य सिंह आदि ने युवराज प्रताप सिंह को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुये देश को मेडल जीत कर लाने हेतु कामना की है।

संक्षिप्त खबरें

असत्य पर सत्य की हुई जीत : सतीश चौबे

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूर्व ब्लाक प्रमुख चोलापुर पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी वाराणसी सतीश चौबे ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भाजपा सरकार द्वारा जो बेबुनियाद आरोप राहुल गांधी पर लगाया गया था आज उसको कोर्ट ने खारिज कर हिंदुस्तान की जनता के बीच एक बड़ा संदेश दिया कि आज भी न्यायपालिका में न्याय जिंदा है निश्चित तौर पर 2024 में राहुल गांधी के नेतृत्व में किसानो, व्यापारियों को हो रही समस्याओं की लड़ाई लड़ते हुए केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे।

रविवार को वाराणसी पहुचेंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत, सीएम योगी के साथ चातुर्मास के अनुष्ठान में करेंगे शिरकत

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत रविवार को वाराणसी आएंगे। वह वाराणसी में कांचीपीठ के शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती महाराज से मुलाकात कर आशीर्वाद लेंगे। इसके अलावा मठ में आयोजित चातुर्मास के धार्मिक अनुष्ठान में शिरकत करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान सीएम वाराणसी में भाजपा कार्यकताओं से मुलाकात करेंगे और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इन कार्यक्रमों से पहले हर बार की तरह सीएम बाबा श्रीकाल भैरव व काशी विश्वनाथ मंदिर जा सकते हैं।काशी के चेतसिंह किला परिसर में श्रीकांची कामकोटि पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती चातुर्मास व्रत का संकल्प लेकर प्रवास कर रहे हैं। धार्मिक कार्यक्रमों, सम्मेलनों, पुराणों पर प्रवचन, हवन, यज्ञ जारी है। उनके अनुष्ठानों में अब तक सीएम समेत कई अन्य राजनेता शामिल हो चुके हैं। उधर, आरएसएस के मुखिया के आगमन की सूचना के बाद पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी सतर्क हो गया है। मोहन भागवत का एक महीने में वाराणसी का यह दूसरा दौरा है। संघ प्रमुख लंका स्थित विश्व संवाद केंद्र में प्रवास करेंगे। वहीं रविवार सुबह सीएम का हेलीकाप्टर पुलिस लाइन मैदान में उतरेगा। वे वहां से सर्किट हाउस जाएंगे।

काशी सांसद अभ्यास के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय दानगंज प्रथम पर कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर दानगंज वाराणसी। प्राथमिक विद्यालय दानगंज प्रथम में काशी सांसद अभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत खंड शिक्षा अधिकारी बृजेश कुमार राय ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति गीत, पर्यावरण संरक्षण, पानी बचाओ, एवं सड़क सुरक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें जय सेठ ने सड़क सुरक्षा कार्यक्रम एवं आकांक्षा ने पर्यावरण संरक्षण एवं कनक ने जल ही जीवन है के अंतर्गत पानी बचाओ, एवम पायल कुशवाहा ने देश भक्ति गीत पर नित्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह प्रधानाध्यापक, प्रशांत के साथ सभी विद्यालय स्टाफ व अभिभावको के साथ बच्चों ने प्रतिभाग किया। बच्चों को पुरस्कार स्वरूप खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा कॉपी कलम पेंसिल रबर एवं स्केच प्रदान किया गया।

उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को चाहिए 50000 मानदेय : राष्ट्रीय सचिव

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन की एक बैठक में राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को 50000 मानदेय चाहिए। राशन डीलरो का आर्थिक स्थिति बेहद चिन्ता जनक हो चुकी है। हर जगह हाहाकार मचा हुआ है पूरे देश से सबसे कम कमीशन उत्तर प्रदेश के कोटेदारों का है।जबकि पूरे देश से सबसे अच्छा वितरण उत्तर प्रदेश का लेकिन कमीशन के मामले में सबसे पीछे है ऐसा भेदभाव क्यों अगर उत्तर प्रदेश की सरकार प्रदेश के 80000 राशन डीलरो के बारे में नहीं सोचती है तो जल्द ही प्रदेश भर के राशन डीलर बडा आन्दोलन करेंगे। तथा आगामी लोकसभा चुनाव में इसका परिणाम देखने को मिलेगा।बैठक में संजय कुशवाहा भुलन यादव सुनील गुप्ता जमुना प्रसाद संदीप मिश्रा संदीप जायसवाल राजकुमार धन्नजय हौसला प्रसाद अजय सहगल मटरू राम चिन्टु गुप्ता रामसकल तिवारी आदि लोग उपस्थित थे।

राहुल गांधी के पक्ष में कोर्ट द्वारा फैसला आने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का किया मुंह मीठा और मनायी खुशियां

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महानगर कांग्रेस कमेटी के महासचिव मनीष चौबे के संयोजन में उत्तरी विधानसभा के कैंप कार्यालय मे राहुल गांधी के पक्ष में कोर्ट द्वारा फैसला आने पर कार्यकताओं ने एक दूसरे का किया मुंह मीठा और मनायी खुशियां। उक्त अवसर पर मनीष चौबे ने कहा कि अब फिर से संसद भवन में गुजेगी बेरोजगारी, किसानों व व्यापारियों की आवाज उक्त

अवसर पर प्रमोद चौबे, अभय दुबे मनीष चौबे, विवेक सिंह, शीतल प्रसाद मौर्या, प्रदीप पांडे, परवेज खान, रोहित दुबे, बीनू यादव, मनी दुबे, अजय यादव, पीयूष श्रीवास्तव दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं